दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-149 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 23 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे विचारों के बीज होते हैं–जैसे बोएंगे, वैसा ही समाज उगेगा।'

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'शिक्षक की वाणी और राष्ट्र का भविष्यः शब्दों की जिम्मेदारी का प्रश्न'

एक प्रसिद्ध कथन है– 'कलम की धार तलवार से भी तेज होती है।' यदि इस कथन को और गहराई से समझें, तो पाएंगे कि शब्दों की शक्ति केवल लेखनी तक सीमित नहीं, बल्कि वाणी में भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। और जब यह वाणी किसी शिक्षक के मुख से निकलती है, तो उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। क्योंकि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है ?

यह सत्य है कि राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों से होता है और नागरिकों का निर्माण शिक्षक करता है। इस दृष्टि से शिक्षक केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक अत्यंत जिम्मेदार भूमिका है। एक इंजीनियर यदि गलती करता है, तो उसकी गलती किसी इमारत के ढहने के साथ समाप्त हो जाती है। एक डॉक्टर की गलती एक व्यक्ति के जीवन तक सीमित रहती है। एक वकील की त्रुटि न्यायालय की फाइलों में दब जाती है। लेकिन एक शिक्षक की गलती कभी समाप्त नहीं होती–वह सीधे लोगों के मन और विचारों में प्रवेश कर जाती है। शिक्षक के शब्द केवल सुनने तक सीमित नहीं रहते, वे विद्यार्थियों के मन में स्थायी छाप छोड़ते हैं। यही कारण है कि कहा गया है– 'पेट का जहर खत्म हो सकता है, लेकिन कानों का जहर कभी खत्म नहीं होता।' यदि शिक्षक गलत जानकारी, भ्रमित करने वाले तथ्य या असत्य कथन प्रस्तुत करता है, तो वह समाज की मानसिकता को विकृत कर सकता है। और जब मानसिकता विकृत होती है, तो उसका प्रभाव पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ता है। आज के डिजिटल युग में यह जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। सोशल मीडिया के माध्यम से एक छोटी-सी बात भी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसे में यदि कोई सार्वजनिक व्यक्ति या नेतृत्वकर्ता–जो स्वयं भी एक प्रकार से शिक्षक की भूमिका में होता है–गलत तथ्य प्रस्तुत करता है, तो उसका प्रभाव व्यापक होता है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें योगी आदित्यनाथ मंच से यह कहते हुए दिखाई देते हैं– 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' जबकि यह ऐतिहासिक नारा सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया था, न कि स्वामी विवेकानंद द्वारा, जैसा कि उस संदर्भ में कहा गया। यह केवल एक तथ्यात्मक त्रुटि नहीं है, बल्कि यह उस जिम्मेदारी की अनदेखी है, जो एक नेता और शिक्षक दोनों की भूमिका में अपेक्षित होती है। ऐसी त्रुटियां इसलिए भी खटकती हैं क्योंकि इतिहास केवल घटनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान और चेतना का आधार है। जब इतिहास के तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, तो नई पीढ़ी भ्रमित होती है और सत्य की जगह असत्य स्थापित होने लगता है। यह स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक हो सकती है।

इस संदर्भ में संत कबीर दास का दोहा अत्यंत प्रासंगिक है–

'ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय,
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।'

कबीर दास जी ने वाणी की मर्यादा और उसकी शक्ति को बहुत सरल शब्दों में समझाया है। वाणी ऐसी होनी चाहिए, जो न केवल दूसरों को शीतलता दे, बल्कि स्वयं को भी संतुलित और संयमित रखे। यह संदेश विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, जो समाज का नेतृत्व करते हैं या शिक्षण की भूमिका में हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षक–चाहे वह विद्यालय का अध्यापक हो, कोई सामाजिक नेता हो या डिजिटल मंच पर प्रभाव रखने वाला व्यक्ति–अपने शब्दों के प्रति सजग और जिम्मेदार बने। जो भी कहा जाए, वह तथ्यों पर आधारित हो, प्रमाणिक हो और समाज को सही दिशा देने वाला हो। इसके लिए आत्मअनुशासन अत्यंत आवश्यक है। बोलने से पहले सोचना, तथ्यों की पुष्टि करना और अपने कथनों के प्रभाव को समझना–ये सभी एक सच्चे शिक्षक के गुण हैं। क्योंकि एक शिक्षक केवल जानकारी नहीं देता, बल्कि वह सोचने का तरीका सिखाता है।

अंततः, यह समझना होगा कि शिक्षक की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। आज हर वह व्यक्ति, जिसे लोग सुनते हैं और जिससे सीखते हैं, वह शिक्षक है। इसलिए उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। यदि हम एक सशक्त और जागरूक राष्ट्र का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें अपने शिक्षकों–और स्वयं को–इस बात के लिए तैयार करना होगा कि हम सत्य, जिम्मेदारी और मर्यादा के साथ अपनी वाणी का उपयोग करें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल किताबों से नहीं, बल्कि शब्दों से भी गढ़ा जाता है।

रिफाइनरी पर सीएम का दावा भ्रामकः गहलोत

पचपदरा रिफाइनरी में 2013 से राजस्थान की भागीदारी 26%, पीएम ने नहीं करवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। कांग्रेस राज में रिफाइनरी में देरी और भ्रष्टाचार के सीएम भजनलाल शर्मा के आरोपों पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने पलटवार किया। गहलोत ने एक्स पर लिखा- रिफाइनरी के काम में भाजपा के कारण अनावश्यक देरी हुई। वहीं अब जल्दबाजी में उद्घाटन के प्रयास में हुई दुर्घटना से ध्यान भटकाने और असफलता छिपाने के लिए मुख्यमंत्री भ्रामक भाषण दे रहे हैं। उन्होंने कहा- घटना के दो दिन बाद भी आधिकारिक तौर पर यह जानकारी नहीं दी गई है कि दुर्घटना क्यों हुई?

गहलोत ने लिखा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह बयान कि रिफाइनरी में राजस्थान सरकार की 26' भागीदारी पीएम नरेंद्र मोदी ने करवाई पूरी तरह असत्य है। उन्हें शायद जानकारी ही नहीं है कि रिफाइनरी में राज्य सरकार की 26' भागीदारी 2013 में हुए शिलान्यास के समय से ही है।

गहलोत ने लिखा- पचपदरा में रिफाइनरी के लिए भारत सरकार और एचपीसीएल ने तब यह शर्त रखी थी कि राज्य सरकार 26' हिस्सेदारी ले, तभी यहां रिफाइनरी बनाई जा सकती है। सामान्यतः रिफाइनरी में राज्य सरकार की हिस्सेदारी नहीं होती है, क्योंकि रिफाइनरी कई बार घाटे में चलती है। ऑयल कंपनियों के पास कई रिफाइनरियां होती हैं, जहां कहीं लाभ तो कहीं हानि होती है, जिससे उनकी भरपाई हो जाती है। राज्य की हिस्सेदारी होने पर घाटे का नुकसान राज्य को भी उठाना होगा, लेकिन इस शर्त के कारण राजस्थान को हिस्सेदारी लेनी पड़ी।

नेता प्रतिपक्ष जूली बोले- भाजपा सरकार ने रिफाइनरी में रोड़े अटकाए

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सीएम के बयान पर पलटवार किया। जूली ने एक्स पर लिखा- ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जानकारी ही नहीं है कि रिफाइनरी में राज्य सरकार की 26' हिस्सेदारी शिलान्यास के समय यानी 2013 से ही है। भाजपा सरकार ने तो केवल प्रदेश के विकास में रोड़ा अटकाने के लिए काम चार साल अटकाया था।

जूली ने लिखा- मुख्यमंत्री को समझना चाहिए कि सवा दो साल से सरकार होने के बावजूद घोटाले जैसे कोरे आरोप बचकाने लगते हैं। मुख्यमंत्री का काम ऐसे भ्रामक भाषण देकर जनता को गुमराह करना नहीं, बल्कि कार्रवाई करना है। इन आरोपों से वो केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति कर रहे हैं। जनता सच जानती है।

बीजेपी नेताओं को रिफाइनरी की एबीसीडी पता नहीं

गहलोत ने कहा- मैंने पहले भी कहा था कि भाजपा की ओर से ऐसे बयान आ रहे हैं, जिससे पता चलता है कि इन्हें रिफाइनरी की 'एबीसीडी' भी मालूम नहीं है। उनके बयान इसी बात को सिद्ध करते हैं। इसी प्रकार वे रिफाइनरी में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। 12 साल से केंद्र और सवा दो साल से राज्य में सरकार होने के बावजूद अभी तक इन्होंने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की?

पंजाब-हरियाणा बार काउंसिल चुनावः अजय चौधरी की जीत पर टोहाना बार में जश्न, लड्डू बांटकर जताई खुशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा, चंडीगढ़ के वर्ष 2026 के चुनाव में एडवोकेट अजय चौधरी की जीत पर टोहाना बार एसोसिएशन में खुशी का माहौल देखने को मिला। चुनाव परिणाम घोषित होते ही अधिवक्ताओं ने बार परिसर में एकत्र होकर लड्डू बांटकर जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ अधिवक्ता चौधरी चांदी राम पातड़, पूर्व प्रधान सत्यवान डूल्ट, वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कृष्ण रंगा, पूर्व प्रधान महादेव सिंगला, राजेंद्र (रिटायर्ड जिला न्यायवादी), ओपी गिल, मनजीत गिल, दीपक राजपाल, कपिल बंसल, सतीश निमडिया, सुमित गिल, अमरीक सिंह, आजाद सिंह और ब्रज पाल जाखल सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहें। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व प्रधान चौधरी चांदी राम पातड़ ने कहा कि एडवोकेट अजय चौधरी की यह जीत पूरे अधिवक्ता समुदाय की जीत है। उन्होंने कहा कि सभी वकीलों के सहयोग और एकजुटता के चलते यह सफलता संभव हो पाई है। वहीं पूर्व प्रधान सत्यवान डूल्ट ने भी सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत बार की एकता और विश्वास का प्रतीक है। इस मौके पर एडवोकेट अजय चौधरी ने फोन के माध्यम से टोहाना बार एसोसिएशन के सदस्यों से बातचीत कर सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वे अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने भविष्य में भी इसी प्रकार एकजुट रहकर बार के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

माता की स्मृति में दो कमरों का निर्माण, भामाशाह आर.आर. बाकोलिया ने समाज को किया समर्पित

सूरजगढ़ बहुजन श्मशान घाट में अनावरण, डिजिटल लाइब्रेरी के लिए भी दिया सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सामाजिक सरोकारों की मिसाल पेश करते हुए भामाशाह आर.आर. बाकोलिया (निवासी सूरजगढ़, वर्तमान हिमाचल प्रदेश) ने अपनी माता स्व. मनभरी देवी की पुण्य स्मृति में बहुजन समाज श्मशान घाट परिसर में निर्मित दो कमरों का लोकार्पण कर उन्हें समाज को समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान आर.आर. बाकोलिया ने अपनी माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने न केवल भवन निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया, बल्कि परिसर में बैठने के लिए बैंच, सीसीटीवी कैमरे, सीलिंग फैन, टेबल-कुर्सियां उपलब्ध कराईं। साथ ही छात्राओं के लिए प्रस्तावित अत्याधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी हेतु 1 लाख 12 हजार रुपये का सहयोग भी प्रदान किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों के लिए एक क्विंटल 30 किलोग्राम देशी घी के लड्डू एवं 25 किलोग्राम मिठाई वितरित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए आर.आर. बाकोलिया ने भविष्य में भी समाजहित के कार्यों में सहयोग जारी रखने का विश्वास दिलाया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जी.एल. मौर्य ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीताराम कटारिया, फूलचंद सुनिया एवं समाजसेवी सलीम खान उपस्थित रहे। सर्व समाज समरसता एवं सर्वांगीण विकास समिति सूरजगढ़ द्वारा आर.आर. बाकोलिया को 'समाज गौरव सम्मान' से सम्मानित करते हुए अभिनंदन पत्र भेंट किया गया।

समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश सेवदा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की। वहीं संरक्षक राधेश्याम चिरानिया ने कहा कि बाकोलिया का अपनी जन्मस्थली के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन डिजिटल लाइब्रेरी में छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे महिला शिक्षा को नया आयाम मिलेगा।कार्यक्रम में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान देने पर ताराचंद बाकोलिया और छोटेलाल गजराज को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयुष्मति राज किरण, विजयलक्ष्मी, गोदावरी, दिव्या भारती, विकास, ताराचंद बाकोलिया, विक्रम, कैलाश, विशाल, छोटेलाल गजराज, विजय बाकोलिया, महावीर बाकोलिया, नागरमल, कृष्ण कुमार गजराज, भागीरथ बाकोलिया, रामेश्वर लाल बाकोलिया, फूलचंद फुलवारिया, रामस्वरूप आसलवासिया, जगदीश लोरानिया, सेवकराम, प्रेमचंद मेहरा, बजरंग लाल, सोहनलाल, सज्जन कटारिया, कृष्ण कुमार, रतिराम मैरोडिया सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें। कार्यक्रम ने समाज में सेवा, सहयोग और शिक्षा के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर भोड़की स्टेडियम में 221 पौधों का रोपण, विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

'एक व्यक्ति, एक पेड़' अभियान के तहत एम.जी. ग्लोबल स्कूल की अनूठी पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एम. जी. ग्लोबल स्कूल द्वारा झुंझुनूं वन विभाग के सहयोग से भोड़की स्थित सार्वजनिक खेल स्टेडियम परिसर में भव्य वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 'एक व्यक्ति, एक पेड़ - हरियाली की ओर एक कदम' संदेश के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना रहा। अभियान के तहत विद्यालय के प्रत्येक छात्र-छात्रा ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एक-एक पौधा रोपा। इस दौरान कुल 221 पौधे लगाए गए, जिससे क्षेत्र को हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वन विभाग की उप वन संरक्षक (आईएफएस) काविया बी. ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का महत्व समझाते हुए पर्यावरण की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. हरि सिंह गोदारा ने कहा कि पृथ्वी हमें अमूल्य प्राकृतिक संसाधन प्रदान करती है, इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित और समृद्ध बनाएं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस दिशा में आगे आने की अपील की। विद्यालय की प्राचार्या आशा सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हैं और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित विद्यार्थियों और स्टाफ ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रयास जारी रखने का विश्वास व्यक्त किया।

जनगणना 2027 के डिजिटल टूल्स व तकनीकी पहलुओं का प्रशिक्षण आयोजित

जनगणना 2027 के तहत जिला स्तरीय द्वितीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर बुधवार को सूचना एवं जनसंपर्क सभागार में प्रारंभ हुआ, जिसमें जिले के चयनित फील्ड ट्रेनर्स को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने सभी अधिकारियों को जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उत्पन्न होने वाली सभी शंकाओं का समाधान यहीं सुनिश्चित किया जाए, ताकि फील्ड स्तर पर कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने बताया कि यही प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स आगे चलकर चार्ज स्तर पर प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। जिला कलेक्टर ने जनगणना 2027 को देश के विकास की आधारभूत प्रक्रिया बताते हुए कहा कि इस बार पूरी जनगणना डिजिटल मोड पर की जा रही है, जो इसे अधिक पारदर्शी, सटीक और प्रभावी बनाएगी। उन्होंने सभी ट्रेनर्स को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं भी दीं।प्रशिक्षण के दौरान यह जानकारी दी गई कि पहली बार जनगणना में मोबाइल आधारित डाटा संग्रहण प्रणाली अपनाई जा रही है, जिसमें प्रगणक एवं सुपरवाइजर मोबाइल ऐप के माध्यम से सूचनाएं दर्ज करेंगे। इसके साथ ही आम नागरिकों को भी स्वगणना का विकल्प प्रदान किया गया है। इसके तहत 1 से 15 मई तक नागरिक स्वयं निर्धारित 33 प्रश्नों के उत्तर ऑनलाइन पोर्टल https://se.census.gov.in के माध्यम से देकर जनगणना प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत में मास्टर ट्रेनर मोतीलाल ने जनगणना 2027 के महत्व, गुणवत्ता मानकों एवं प्रशिक्षण के मूलभूत नियमों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं मास्टर ट्रेनर नवीन कुमार सैनी ने जनगणना में प्रयुक्त प्रमुख अवधारणाओं एवं परिभाषाओं जैसे हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (HLB), परिसर, भवन, जनगणना मकान एवं परिवार आदि विषयों को विस्तार से समझाया। उप जिला जनगणना अधिकारी एवं सांख्यिकी विभाग की उपनिदेशक पूनम कटेवा ने बताया कि जिले में कुल 74 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में 3741 ब्लॉकों का गठन किया गया है, जिनमें 4096 प्रगणक एवं 704 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सुभाष यादव, विकास भाम्बू, पवन राव, विकास झाझड़िया, निकिता सैनी सहित जनगणना से जुड़े विभिन्न अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश प्रगति की राह पर, स्वच्छता मिशन की अहम भूमिका : के.के. गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान निरंतर विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कोटपूतली-बहरोड़ में आयोजित स्वच्छता कार्यशाला में बताया कि राज्य को विकसित और समृद्ध बनाने में स्वच्छता अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। गुप्ता ने बताया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं तथा 'राइजिंग राजस्थान' कार्यक्रम के तहत हुए निवेश से विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन अब जनआंदोलन बन चुका है, जिससे स्वास्थ्य सुधार के साथ बीमारियों में कमी आई है। बैठक में निकायों की स्वच्छता के आधार पर रैंकिंग (ए, बी, सी, डी श्रेणी) करने तथा सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही घर-घर कचरा संग्रहण, नाइट स्वीपिंग, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, प्लास्टिक पर रोक और खाली प्लॉट्स की सफाई जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विशेष फोकस करने को कहा गया।

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्र की कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्र2, क्र6 और क्र12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

आदर्श विद्या मंदिर मण्डावा में पृथ्वी दिवस पर जल संरक्षण विषयक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (RUIDP) के अंतर्गत सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत आदर्श विद्या मन्दिर मण्डावा में पृथ्वी दिवस एवं जल संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ 3 राज नेवल यूनिट एनसीसी, जयपुर के कैडेट्स ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने चित्रों के जरिए पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने की आवश्यकता एवं पृथ्वी को सुरक्षित रखने का सशक्त संदेश दिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका आर्ट टीचर काजल कंवर ने निभाई। करीब 120 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया और विभिन्न पोस्टर एवं चित्रों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने कहा कि 'जल ही जीवन है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में जागरूकता के साथ जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।' कैंप रूडीप के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला ने कहा कि 'स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण और शुद्ध जल अत्यंत आवश्यक है। जल संरक्षण केवल आज की नहीं, आने वाली पीढ़ियों की भी जरूरत है।' संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि 'पृथ्वी हमारे अस्तित्व का आधार है, इसकी रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं।' एनसीसी सीटीओ गोविन्द सोनी ने कहा कि 'अनुशासन के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाना भी एनसीसी का उद्देश्य है। जल एवं पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भागीदारी आवश्यक है।' कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता के साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय चेतना का विकास करना रहा। कार्यक्रम में 120 प्रतिभागियों सहित सीएमएससी के योगेश आत्रेय, एसओटी सदस्य संदीप स्वामी एवं विद्यालय स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही और कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंचीं डीसी

नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंचीं डीसी

नागरिकों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं का लिया फीडबैक

मरीजों की सुविधा सर्वोपरि, लापरवाही बर्दाश्त नहीं : अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन आम नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नागरिक अस्पताल नारनौल का औचक निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से औपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में यदि कहीं कोई कमी पाई जाती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द दूर किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आमजन के स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पूरे अस्पताल परिसर का जायजा लिया। इस क्रम में वे दवा वितरण काउंटर पर पहुंचीं और वहां मौजूद नागरिकों से सीधे रूबरू होकर स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि अस्पताल में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी दवा की उपलब्धता में कमी है, तो उसे अविलंब मंगवाया जाए ताकि नागरिकों को सभी जरूरी दवाएं अस्पताल परिसर के भीतर ही सुलभ हो सकें। इस दौरान उपायुक्त ने सहायता केंद्र, पूछताछ केंद्र और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना काउंटर का भी अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने एसएनसीयू, विभिन्न वार्डों और ट्रॉमा सेंटर का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, डॉ आशा शर्मा व डॉ विजय डबास सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

नगरपालिका कनीना उपचुनाव - दूसरे दिन भी नहीं हुआ कोई नामांकन

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

नगरपालिका कनीना के वार्ड संख्या 14 में होने वाले उपचुनाव के तहत नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन बुधवार को भी कोई उम्मीदवार नामांकन दाखिल करने नहीं पहुंचा। यह जानकारी देते हुए चुनाव रिटर्निंग अधिकारी (नगरपालिका कनीना) एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नामांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है, लेकिन दूसरे दिन भी एक भी नामांकन प्राप्त नहीं हुआ है। इस संबंध में दैनिक रिपोर्ट जिला उपायुक्त एवं राज्य निर्वाचन आयोग, पंचकूला को भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। नामांकन केंद्र पर पर्याप्त स्टाफ और सुरक्षा व्यवस्था तैनात है, ताकि उम्मीदवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एसडीएम ने संभावित उम्मीदवारों और क्षेत्र के जागरूक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने नामांकन पत्र दाखिल करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग पूरी तरह सतर्क है और चुनाव प्रक्रिया को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है।

भाकपा माले की संकल्प सभा में संघर्ष का ऐलान, विभिन्न मुद्दों पर उठाई आवाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 57वें स्थापना दिवस पर चिड़ावा में पार्टी कार्यालय पर संकल्प सभा का आयोजन कामरेड प्रेम सिंह नेहरा की अध्यक्षता में किया गया। सभा की शुरुआत में कामरेड भगवान सिंह कोडाण के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जिला सचिव रामचंद्र कुलहरि ने संबोधित करते हुए साम्राज्यवादी नीतियों, केंद्र सरकार की नीतियों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चिंता जताई। सभा में ओमप्रकाश झारोड़ा, इंद्राज सिंह चारावास, अमर सिंह चाहर सहित कई कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे। इस दौरान प्रस्ताव पारित कर साम्राज्यवादी दादागिरी और फासीवादी हमलों के खिलाफ संघर्ष तेज करने, बैंकों में विभिन्न शुल्कों के नाम पर हो रही वसूली का विरोध, एचडीएफसी बैंक चिड़ावा शाखा से जुड़े कर्ज वसूली प्रकरण की जांच और पीड़ित परिवार के कर्ज माफ करने, दुग्ध के दाम बढ़ाने, फसल नुकसान का मुआवजा दिलाने तथा यमुना नहर का पानी जल्द जिले में लाने की मांग उठाई गई। सभा में इन सभी मुद्दों पर व्यापक आंदोलन चलाने का संकल्प लिया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा नेताओं ने बताया ऐतिहासिक कदम, विपक्ष पर साधा निशाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026 को लेकर पूर्व सांसद संतोष अहलावत और भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षनी कुलहरी ने केंद्र सरकार के इस कदम को महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मील का पत्थर बताया। सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने विपक्षी दलों पर बिल के मार्ग में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया। पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया यह ऐतिहासिक बिल महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प है, लेकिन विपक्षी दल केवल राजनीति के चलते इसमें अड़ंगे लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता विपक्ष की इस जनविरोधी मानसिकता को देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षनी कुलहरी ने कहा कि यह अधिनियम लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की आवाज को और मजबूत करेगा तथा भाजपा की महिला कार्यकर्ता इसे गांव-गांव तक पहुंचाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में महिलाएं नीति निर्माण में भी अहम भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर अरुणा सिहाग, किरण चौधरी, लोकेश मील, रवि लाम्बा, दीपक स्वामी और ललित जोशी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिजली निगमों के निजीकरण के विरोध में श्रमिक संघों का ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजस्थान के बिजली निगमों में निजीकरण और कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ और राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ (BMS) ने विरोध दर्ज कराया है। दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने शासन सचिव (ऊर्जा विभाग) को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। संघ के अध्यक्ष कर्मवीर सिंह और सचिव हरकेश के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि बिजली निगमों को फ्रेंचाइजी या क्लस्टर मॉडल के तहत निजी हाथों में सौंपना कर्मचारियों के साथ अन्याय है। संगठन ने विद्युत (संशोधन) विधेयक 2025 को तुरंत वापस लेने, बिजली कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना (OPS) का लाभ देने, तकनीकी कर्मचारियों को 4800 ग्रेड-पे देने, ठेका प्रथा समाप्त कर स्थाई भर्ती करने और जोखिम भरे कार्य के लिए हार्ड ड्यूटी अलाउंस देने की मांग की है। साथ ही संगठन ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा करते हुए 6 मई को जिला एवं वृत्त स्तर पर धरना-प्रदर्शन, 20 मई को डिस्कॉम मुख्यालय पर प्रदर्शन और 10 जून 2026 को जयपुर स्थित बिजली भवन पर प्रदेश स्तरीय महापड़ाव की चेतावनी दी है। इस अवसर पर सुरेश लुनिया, मनोज झेरली, राजेंद्र सैनी, नितेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीदसर स्कूल में मां शारदे मंदिर का हुआ भूमिपूजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदसर में मां सरस्वती के मंदिर निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राजकुमार ने बताया कि विद्यालय में विद्या की देवी मां शारदे के मंदिर का निर्माण भामाशाह सतवीर गढ़वाल के सहयोग से होगा जिसके लिए विद्वान पंडितों ने विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ विधार्थी व प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

विद्यार्थियों को बाटी शिक्षण सामग्री

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर।

सुमेर मीणा । शहर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई ।समाज सेवक दोस्त फाउंडेशन की ओर से यह पाठ्य सामग्री वितरित की गई । फाउंडेशन के सदस्य विमल पबडी ने बताया कि निशुल्क शिक्षण सामग्री अभियान के तहत 18 बच्चों को स्कूली बैग समेत अभियान के तहत बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई इस अभियान140 सरकारी स्कूलों के 1600 गरीब बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की जा रही है यह अभियान हर साल नए सत्र की शुरुआत में चलाया जाता है शिक्षण सामग्री में बैग कोपिया ज्योमेट्री बॉक्स एवं पेन पेंसिल के पैकेट वितरित किए गए इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य मुकेश कुमार खाडल ने फाउंडेशन के सदस्यों का स्वागत किया।

एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ, बोलें- रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला रेडक्रॉस समिति की प्रधान एवं उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में आज रेडक्रॉस कार्यालय में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया । एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रक्तदाताओं को बैज लगाकर शिविर का शुभारंभ किया। कैम्प में 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने रक्तदाताओं के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने युवाओं और वॉलिंटियर्स को प्रेरित करते हुए इस बात पर विशेष जोर दिया कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने रेडक्रॉस समिति के प्रयासों की सराहना की जो जिले में मानवीय सेवा के कार्यों में निरंतर अग्रणी रहती है। रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह ने बताया कि रेडक्रास की ओर से जिले में समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान कैम्पों का आयोजन किया जाता रहता है जिसके माध्यम से सरकारी अस्पताल में स्थापित रक्तकोष केन्द्र में जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकें। इस अवसर पर सरोज कश्यप, सेवानिवृत प्राचार्य एवं समाजसेविका कृष्णा आर्य एवं सपना गुप्ता, कैम्प इंचार्ज राजकुमार व्यास, लेखा लिपिक ओमप्रकाश, जेआरसी कोऑर्डिनेटर टेकचंद यादव, फर्स्ट एड प्रवक्ता पवित्रा कुमारी व सुमन कुमारी, शोभा रानी, सुनील कुमार, दीपक कुमार एवं कौशल कुमार मौजूद थे।

पचेरी क्षेत्र का गौरव: एलबीएस स्कूल के छात्रों ने JEE मेन्स में दिखाया दम

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

अजय यादव पुत्र बलवीर सिंह

विजेश पुत्र संदीप कुमार

गूंति रोड़ पर स्थित एलबीएस इंटरनेशनल स्कूल, पचेरी बड़ी के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित 12वीं कक्षा के परिणाम के साथ-साथ देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन्स में भी छात्रों ने बेहतरीन उपलब्धि हासिल की है।विद्यालय के छात्र अजय यादव पुत्र बलवीर सिंह, निवासी निहालोठ ने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के साथ जेईई मेन्स में 92 परसेंटाइल प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता अर्जित की। इसी क्रम में विजेश पुत्र संदीप कुमार, निवासी पाथरोली ने 90.34 परसेंटाइल तथा अनिल पुत्र मनोज कुमार, निवासी पचेरी बड़ी ने 91.50 परसेंटाइल हासिल कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के डायरेक्टर सुरेश कुमार जांगिड़ ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में प्रारंभ से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसके कारण विद्यार्थी निरंतर उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं।

प्रबंधक निदेशक अतुल कुमार जांगिड़ ने कहा कि स्कूल का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ उन्हें भविष्य के लिए सक्षम बनाना भी है। विद्यार्थियों की इस सफलता से अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावकों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा और सभी ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया।

सहड़ सड़क किनारे संदिग्ध हालत में युवक का मिला शव, ग्रामीणों ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस जुटी जांच में

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पचेरीकलां थाना के सहड़ गांव के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना को लेकर ग्रामीणों ने युवक की हत्या कर शव सड़क किनारे डालने का आरोप लगाया है। घटना को लेकर पुलिस ने शव को बुहाना के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के अनुसार सहड़ निवासी विक्रम सिंह पुत्र रघुवीर यादव का शव बुधवार को पचेरी-सहड़ सड़क पर माजरी के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस मामले को एक्सीडेंट और मर्डर दोनों एंगल से जांच रही है। मृतक के ताऊ के बेटे कृष्ण कुमार ने बताया कि विक्रम सिंह मंगलवार शाम को गुरुग्राम से अपने गांव सहड़ लौट रहा था। उसके पास बस की टिकट भी मिली है, जिससे उसके यात्रा करने की पुष्टि होती है। रात भर घर नहीं पहुंचने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस की ओर से सूचना मिली कि पचेरी-सहड़ रोड़ पर एक युवक का शव मिला है, जो विक्रम सिंह का है। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तथा शव की शिनाख्त की। उनका कहना है कि विक्रम की मौत सामान्य हादसा नहीं लग रही, बल्कि किसी साजिश के तहत उसे मारा गया है। परिवार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की खबर फैलते ही सहड़ गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण बुहाना मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए। पुलिस ने परिजनों को शिकायत देने के लिए कहा है और पोस्टमार्टम करवाकर मौत के कारणों का खुलासा करने की बात कही है। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है। उनका कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान हैं। वहीं डेड बॉडी के पास खून के धब्बे भी मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के सिर पर किसी हथियारनुमा वस्तु से वार किए जाने के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यह मामला साधारण सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। मृतक विक्रम तीन भाई हैं एक भाई की पहले मौत हो चुकी है तथा एक भाई संजय सेना में है। मृतक के दो बच्चे आयुष 12 साल, आरव 9 साल है। वह गुरूग्राम में ड्राइवर की नौकरी करता था। इस संबंध में थानाधिकारी बनवारीलाल यादव ने बताया कि मृतक के ताऊ के लड़के की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

मृतक विक्रम सिंह

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में हर्षोल्लास से मनाया गया प्रवेशोत्सव

नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक व स्वागत गान से अभिनंदन, अभिभावकों को शिक्षा में साझेदारी का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी नगर।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में बुधवार को कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों के लिए प्रवेशोत्सव कार्यक्रम बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नव प्रवेशित बच्चों का पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर एवं स्वागत गान के माध्यम से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक उम्मेद अली ने की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संगीत शिक्षिका डॉ. डॉली भारती के निर्देशन में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। छोटे-छोटे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया। अपने संबोधन में वरिष्ठ शिक्षक उम्मेद अली ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए अभिभावक और शिक्षक दोनों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी भी साझा की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार वर्मा ने अभिभावकों को विद्यालय की व्यवस्थाओं से अवगत कराते हुए स्कूल ड्रेस, फीस, नियमित उपस्थिति, पाठ्यपुस्तकों, परीक्षा प्रणाली, अनुशासन एवं विद्याप्रवेश कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ प्राथमिक शिक्षिका आरती कुमारी ने किया। इस अवसर पर शिक्षक कृष्ण कुमावत, ललिता मीणा, प्रकाश सोनी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम ने नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए विद्यालयी जीवन की सुखद और प्रेरणादायक शुरुआत सुनिश्चित की।

भाजपा नेता जोशी ने केन्द्रीय मंत्री के साथ बंगाल चुनाव की रणनीति पर की चर्चा, प्रवासी मतदाताओं के रूझान की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा

.लक्ष्मणगढ़। क्षेत्र के दिग्गज नेता पूर्व चेयरमैन वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश जोशी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दौरे के दौरान बुधवार को केन्द्रीय मंत्री के साथ बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर विचार-विमर्श किया तथा राजस्थान के विशेष रूप से शेखावाटी के प्रवासी मतदाताओं के रूझान से रुबरु करवाते हुए भाजपा के पक्ष में भारी मतदान होने की जानकारी दी। भाजपा नेता जोशी ने चुनावी दौरे के दौरान बुधवार को केंद्रीय पतन, पोत, परिवहन, जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर से जगदल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश शर्मा, राजस्थान के पूर्व आईपीएस अधिकारी

सीबी शर्मा, स्वदेशी रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ धनपत राम अग्रवाल के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर समीक्षा की तथा के आवश्यक संगठनात्मक चर्चा परिचर्चा की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भाजपाइयों ने हवाई पट्टी तारपुरा पर किया स्वागत

भाजपा जिलाध्यक्ष बाटड़ व युवा भाजपा नेता कारंगा ने तरबूज किया भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का तारपुरा हवाई पट्टी पर जिले के भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता जितेंद्र सिंह कारंगा ने लोकसभा अध्यक्ष व सिक्किम के राज्यपाल को तरबूज भेंट कर स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ के नेतृत्व में हवाई पट्टी पर इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष महेश शर्मा, युवा भाजपा नेता जितेंद्र सिंह कारंगा, महामंत्री राजेश रोलण, जिला उपाध्यक्ष नेमीचंद कुमावत, राजेश कटेवा सहित पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे। इस अवसर पर जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

झडाया में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ को लेकर बांटे पीले चावल

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झडाया बालाजी मंदिर के पास 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर जहां तैयारियां जोर-शोर से चल रही है वहीं बुधवार को झडाया बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में गांव ढाणियों में पीले चावल वितरित किए गए द्य बुधवार को यज्ञ की तैयारी को ध्यान में रखते हुए बालाजी मंदिर के महंत सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में झडाया नगर कांकड़ ढहर (बालाहाला) की ढाणी में हीरामल जी के मंदिर पर पीले चावल देकर निमंत्रण दिया गया द्य इस दौरान यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया ,पप्पू सिंह, प्रहलाद सिंह शेखावत, नागर बोकण, बंशीधर हवलदार, बना राम, बंसी रावत ,हजारी लाल डोई ,सुरज्ञान गुर्जर ,राम सिंह शेखावत, भंवर सिंह शेखावत, जागीराम कसाना ,सीताराम कसाना, गिरधारी लाल गुर्जर ,रुडा राम भोपा, महेंद्र तेतरवाल सहित कई लोग मौजूद रहे

गुहाला में पृथ्वी दिवस पर विभिन्न कार्यकर्मो का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । सीकर जिले के गुहाला में श्रीमती चंदा देवी मोदी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गुहाला मे राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड्स के नेतृत्व मैं 22अप्रेल को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया जिसमें स्काउट ट्रूप व गाइड कंपनी के सदस्यो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया! इको क्लब सदस्यों ने पेंटिंग, मटका पेंटिंग,परिंडा बांधो प्रतियोगिता पोस्टर,पेंटिंग, निबंध लेखन, भाषण आदि आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई! प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने स्काउट व गाइड्स को उचित इनाम दी गई! स्काउटर किशोर कुमार सैनी खुद भी स्काउट यूनिफार्म मे रहकर बेजुबान परिंदो के लिए पानी हेतु परिंढो का निर्माण कर पानी की व्यवस्था की तथा समस्त इको क्लब सदस्य सम्पूर्ण ग्रीष्मकाल मे पानी व चुग्गा की व्यवस्था करेंगे!पुरस्कृत शिक्षक बसंती लाल सैनी ने उक्त अवसर पर बताया कि वर्तमान समय मे बढ़ते प्रदुषण से पृथ्वी को बचाने के उपाय करना होगा!पृथ्वी बची तो ही हमारा बचाना संभव है अन्यथा सब कुछ बेकार है! यदि ऐसे ही पेड़ कटते रहे व प्रदुषण होता रहा तो वो दिन दूर नहीं है कि स्वान्स के भी लाले पड़ जायेगे जैसा की कोरोना काल मे ऑक्सीजन के लिए मारे मारे फिरना पड़ा था! उक्त अवसर पर राजेंद्र गुर्जर, प्रधानाचार्य हजारी लाल सैनी,कैलाश चंद्र पालीवाल, पूजा यादव, सुनीता वर्मा, राम प्रकाश कटारिया ने भी पृथ्वी दिवस पर अपने अपने सम्बोधन विचार प्रकट कर छात्र छात्राओं को लाभान्वित किया। कार्यक्रम के अंत मे किशोर कुमार सैनी ने पृथ्वी बचाओ जीवन बचावो की शपथ दिलवाई।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में विजयोत्सव व प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय जाजोद में बुधवार को विजयोत्सव व प्रवेशोत्सव कार्यक्रम समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। यह जानकारी देते हुए संस्था प्रधान जोगेन्द्र सिंह रणवा ने बताया कि इस अवसर पर दशवीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर छात्र महक, प्रशांत, मोनेश ,प्रिंस जांगिड़, कक्षा आठवीं में नीकिता, नैतिक कक्षा पांचवीं में अंशिका शेखावत,अनाया का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया तथा विद्यालय में 21 नवप्रवेशित विधार्थियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया । इस दौरान गांव में? विधार्थियों की रैली निकाली गई। रैली को शहीद मुस्ताक अली राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जाजोद के प्रधानाचार्य रामचंद्र सिंह ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए मुख्य चौक पर पहुंचने पर प्रशासक सुमन देवी महावीर प्रसाद रणवा, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि भंवरू खां सहित वार्ड पंच सहित ग्रामीण जनों ने स्वागत किया गया। इससे पूर्व रैली का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में संदीप कुमार भास्कर, रमेशचंद्र, संजीव बगड़िया, विरेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, रामसहाय कालेरा, भावना चौधरी, द्रौपती ढाका, सज्जन सिंह मीणा, गुरूदीप कुमार, संदीप, ललित राठी, महेंद्रराम, रियाज खान, रमेश कुमार , सुरेशसिंह रणवा, अनिल कुमार सहित विद्यालय स्टाफ, विधार्थी व ग्रामीण जन मौजूद थे।

मंडावर महवा रोड रेल्वे स्टेशन के 'अमृत' नाम पर गंदगी का अंबार, जिम्मेदार बेखबर

खरपतवार और गंदगी के बीच सिमटे 'अमृत', नाम पर लग रहा बदनुमा दाग।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कागजों में 'अमृत भारत स्टेशन' का तमगा और जमीनी हकीकत में बदहाली का मंजर–मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन इन दिनों इसी विडंबना का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। हाल ही में रेलवे प्रशासन ने करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से इस स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत संवारकर नया रूप दिया था, देशभर के 103 स्टेशनों के साथ इसका वर्चुअल उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया गया था, उस दिन स्टेशन पर चमक-दमक, साफ-सफाई और सजावट ऐसी थी कि मानो विकास ने यहां डेरा डाल लिया हो, भीड़ इतनी उमड़ी कि कुर्सियां तक कम पड़ गईं, लेकिन वक्त के साथ तस्वीर पलटती चली गई और अब वही स्टेशन गंदगी के बोझ तले कराहता नजर आ रहा है।

स्टेशन परिसर में प्रवेश करते ही हालात

स्टेशन परिसर के अंदर की दीवार के पास टॉयलेट के निशान।

परिसर बाउंड्री के अंदर बने नाले पर जमा गंदगी व उगी खरपतवार

खुद बयां कर देते हैं कि 'ऊंची दुकान, फीका पकवान' वाली कहावत यहां सटीक बैठती है। अंदर बने नाले के पटाव पर कचरे का अंबार लगा है, वहीं मुख्य प्रवेश द्वार की दीवार के भीतर टॉयलेट के दाग खुलेआम व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। शिकायतों के बाद भरा गया पुराना कुआं भी आधे-अधूरे काम का नमूना बनकर मिट्टी के ढेर में तब्दील है, जो स्टेशन के सौंदर्य पर सीधा दाग बन चुका है। स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि करोड़ों की लागत से बना यह स्टेशन अब देखरेख के अभाव में अपनी पहचान खोता जा रहा है। ग्रामीण अंचल की भाषा में लोग साफ कहते नजर आते हैं– 'रूपया बहाया पानी सा, पर रखवाली में कंजूसी कर दी,' और यही लापरवाही अब स्टेशन की सूरत बिगाड़ रही है। बाउंड्री के अंदर-बाहर फैली गंदगी, खरपतवार से ढका नाला और दुर्गंध भरा वातावरण दूर-दराज से आने वाले यात्रियों के मन में नकारात्मक छवि छोड़ रहा है। यह स्थिति न केवल स्वच्छता मानकों पर सवाल खड़े करती है, बल्कि अमृत भारत जैसे महत्वाकांक्षी नाम को भी कटघरे में खड़ा करती है। कानूनी और प्रशासनिक दृष्टि से देखें तो सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है, लेकिन यहां हालात ऐसे हैं मानो 'आंखों पर काला चश्मा और कानों में रुई' डालकर जिम्मेदारों ने मुंह मोड़ लिया हो। सवाल उठता है कि जब उद्घाटन के समय व्यवस्था चाक-चौबंद थी तो अब यह ढिलाई क्यों, और आखिर कौन इसकी जवाबदेही तय करेगा। गांव की बोली में एक बुजुर्ग की जुबान पर दर्द छलक पड़ा– 'जिसको सजाया फूलों सा, वही अब कांटों में घिरा है, अमृत कहे जाने वाला ये स्टेशन, गंदगी से ही डरा है।' अब निगाहें रेलवे के उच्च अधिकारियों पर टिक गई हैं कि वे इस बिगड़ती व्यवस्था को संज्ञान में लेकर सुधार की ठोस पहल करते हैं या फिर करोड़ों की लागत से बना यह स्टेशन यूं ही बदहाली की कहानी कहता रहेगा।

परशुराम जयंती पर महवा में आस्था का सैलाब, भव्य शोभायात्रा से गूंजा शहर

विधायक राजेन्द्र ने धर्मशाला भूमि व परशुराम सर्किल की घोषणा कर बढ़ाया मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'जहां आस्था का दीप जलता है, वहां समाज खुद संवर जाता है '–इसी भाव को साकार करते हुए बुधवार को महवा में भगवान परशुराम जयंती पर भक्ति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब उपखंड मुख्यालय के तहसील रोड स्थित बदेही मंदिर के समीप ब्राह्मण धर्मशाला से ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ताराचंद शर्मा के नेतृत्व में विशाल कलश व शोभायात्रा बैंड-बाजों और दर्जनों जीवंत झांकियों के साथ निकाली गई, जिसने पूरे शहर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। प्रातः 9 बजे प्रारंभ हुई यह भव्य यात्रा भगवान परशुराम, भगवान शिव बारात और भगवान कृष्ण की आकर्षक झांकियों के साथ तहसील रोड, हिंडौन रोड, थाने के सामने, बौहरा धर्मशाला, सब्जी मंडी, गणेश चौक, सर्राफा बाजार, झंडे के नीचे, जैन मंदिर और गोपीनाथ जी मंदिर होते हुए कृष्ण गोपाल गौशाला के पास स्थित अग्रवाल धर्मशाला पहुंची, जहां जगह-जगह सामाजिक संगठनों व नागरिकों ने पुष्पवर्षा, पेयजल और जलपान के साथ तोरण द्वार सजाकर भव्य स्वागत किया, जिससे पूरा माहौल उत्सव में तब्दील हो गया और

हर ओर जयघोष गूंजता रहा। अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित समारोह में विधायक राजेन्द्र, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा, आरएएस अधिकारी मयंक गोड़, संत सरजूदास महाराज, कुंड वाला बाग रसीदपुर के संत धर्मेश्वर दास महाराज, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विजयशंकर बौहरा, महवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम अवस्थी, मंडावर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा, सोलंगा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश मुद्गल, पावटा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने भगवान परशुराम के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसके बाद समाज के कक्षा 10वीं व 12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को पुष्पमाला पहनाकर प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र ने भावुक शब्दों में कहा कि विधानसभा तक पहुंचाने में ब्राह्मण समाज का योगदान उनके लिए अमूल्य है, जिसका ऋण वे जीवनभर नहीं भूल सकते, साथ ही समाज की मांग पर महवा में ब्राह्मण धर्मशाला के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने तथा महवा व मंडावर में परशुराम सर्किल स्थापित कराने की घोषणा की, जिस पर उपस्थित समाजबंधुओं ने आभार व्यक्त करते हुए उत्साह जताया। इस अवसर पर समाजसेवी अजय बौहरा, पावटा सरपंच प्रतिनिधि मुकेश शर्मा, हडिया सरपंच प्रतिनिधि दिनेश पंडित, ब्राह्मण समाज महवा के अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, मंडावर ब्राह्मण समाज युवा अध्यक्ष अवधेश शर्मा, एडवोकेट सत्यनारायण शर्मा, रतन वकील, महेश शर्मा कंडक्टर, पंडित राधाकृष्ण भारद्वाज, विनोद शर्मा दीवली वाले, महेश आचार्य, हरिओम हांडली, जगदीश भारद्वाज, रमाकांत गुलपाड़िया मंत्र शर्मा, गौपुत्र अवधेश अवस्थी, पं. राधामोहन हुडला, नरेंद्र पाली, राजकुमार शर्मा शिव कैटर्स, कन्हैया शर्मा, हंडिया सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण शर्मा, पंकज जोशी, लोकेश अवस्थी, भगवानसहाय तिवारी, विष्णुदत्त पाराशर, हरिओम दीक्षित, राजेश जैमिनी, प्रिंसिपल चन्द्रकान्त शर्मा, अवधेश शर्मा पाली, दयानंद शर्मा, प्रियांशु झाडोलिया, लक्षीराम शर्मा, बनवारी शुक्ला, भूपेंद्र शर्मा, चंद्रकांत उपाध्यक्ष, रमेश महेश गोपाल अवस्थी कमालपुर वाले, जीपी शर्मा, हरिओम अवस्थी दुल्हापुरा वाले, पूरण लखपति, संतोष-मनोज डंडा वाले, गोलू शर्मा सहित हजारों समाजबंधु, माताएं और बहनें मौजूद रहीं।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पृथ्वी दिवस पर प्रज्ञा मेमोरियल शिक्षण संस्थान में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया गया।जिसमें विधार्थियों ने आज का फैसला, कल की धरती' जैसे प्रभावशाली नाटकों के माध्यम से वर्तमान में लिए गए निर्णयों का भविष्य पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कविताओं की सुंदर प्रस्तुति भी दी। इस दौरान संस्थान परिसर में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

साथ ही, पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से प्रदूषण मुक्त धरती का संदेश दिया।इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का बोध कराया। उन्होंने 'पानी की बचत' करने और 'प्लास्टिक के उपयोग पर रोक' लगाने के लिए सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत मे सभी छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने पर्यावरण की रक्षा हेतु शपथ ग्रहण की।

जन्मदिन पर समाजसेवा की मिसाल, भामाशाह ने जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में दिया सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा क्षेत्र में समाजसेवा की प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है, जहां भामाशाह श्रवण भालोठिया ने अपना जन्मदिन अनोखे तरीके से मनाते हुए सरला पाठशाला में 5100 रुपये का सहयोग प्रदान किया। यह पाठशाला झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले, भिक्षावृत्ति करने वाले, बेसहारा एवं कचरा बीनने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही है। पाठशाला की संचालिका अनिता पुनिया ने बताया कि समाज के सहयोग से ही इन जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाया जा रहा है और ऐसे प्रयास बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने भालोठिया के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए अन्य लोगों से भी आगे आकर सहयोग करने की अपील की।

ग्रीष्म ऋतु के दौरान बागवानी फसलों और सब्जियों को बचाने के लिए किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला बागवानी विभाग की ओर से वर्तमान ग्रीष्म मौसम को देखते हुए जिले के किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि फसलों को गर्मी के प्रकोप से बचाव के लिए वे अपनी फसलों की निरंतर निगरानी करें। किसान अपने खेतों का कार्य सुबह के समय ही निपटा लें। बाग और सब्जियों में उचित सिंचाई प्रबंधन करें। नमी बनाए रखने के लिए मल्चिंग का उपयोग अवश्य करें।

फलदार पौधों के लिए प्रबंधन

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि नए फलदार पौधों को ढककर 'लू' से बचाएं। तने के निचले हिस्से पर बोर्डो पेस्ट लगाएं। इसके लिए 2 किलो नीला थोथा, 3 किलो बिना बुझा चूना और 30 लीटर पानी का मिश्रण तैयार करें। बागों में खरपतवार नियंत्रण एवं नमी संरक्षण के लिए मल्चिंग का उपयोग करना चाहिए। बेर के बागों में अप्रैल-मई में छंटाई कर बोर्डो पेस्ट लगाएं। नए बाग लगाने वाले किसान खेत तैयार करके उचित दूरी पर 3 फीट चौड़े व 3 फीट गहरे गढ्ढे खोदकर खुला छोड़े उसके बाद गली सड़ी गोबर की खाद व 2 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट को अच्छी तरह से मिलाकर भरें।

सब्जियों के लिए प्रबंधन

सब्जियों की नई पौध को हरे शेडनेट से ढकें। सब्जियों की तुड़ाई केवल सुबह या शाम के समय ही करें। बेल वाली सब्जियों में हल्की सिंचाई के माध्यम से उचित नमी बनाए रखें।

फसलों में कीटों और बीमारियों की निरंतर जांच करते रहें। उन्होंने बताया कि किसान अन्य किसी जानकारी के लिए अपने संबंधित ब्लॉक स्तर कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने आंदोलन की दी चेतावनी, सौंपा मांग पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान के विद्युत निगमों के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भारतीय मजदूर संघ से संबद्धित अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ ने राज्य सरकार के ऊर्जा विभाग को ज्ञापन देकर मांग पत्र पूरा करने और निजीकरण को तुरंत रोकने की मांग की है। ज्ञापन में संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे 6 मई से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे और 10 जून से जयपुर के विद्युत भवन पर एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में विधुत (संशोधन) विधेयक 2025 को वापस लेने व निजीकरण रोकने, अधिमंता पर नियुक्त योग्यता रखने वाले कर्मचारियों को लिपिक बनाने,पुरानी पेंशन योजना-2023 को पूर्ण रूप से लागू करने,तकनीकी कर्मचारियों को 3, 12, 21, 30 वर्ष पर फिक्सडटर्म योजना का लाभ देने,निगमों में भर्ती के लिए ठेका प्रथा बंद कर नई भर्ती करने,सभी कर्मचारियों को आरजीएचएस योजना के तहत असीमित आउटडोर और इनडोर सुविधा मिले,पेंशन, ग्रेच्युटी और मेडिकल फंडों में समय पर अंशदान जमा कराने,पदोन्नति के नए अवसर सृजित करने,कर्मचारियों को मुफ्त बिजली सुविधा और प्रोत्साहन राशि देने, घाटे को कम करने के लिए पांचों निगमों का विलय कर एक निगम बनाने,विद्युत निगमों में नियुक्त

सूचना सहायकों की पदोन्नति अवसर हेतु पर्याप्त सहायक प्रोग्रामर एवं प्रोग्रामर के नवीन पदों सृजन करने,उत्पादन निगम में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों के सभी पावर प्लांट और पन बिजलीघरों पर उच्च वेतन श्रृंखला के पद स्वीकृत करने, तकनीकी कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर अन्य वर्गों के समान करने, सभी निगमों में तकनीकी कर्मचारियों की वरीयता सूची निगम स्तर पर बनाने व सभी लम्बित पदोन्नतियों को वर्षवार करने एवं तकनीकी कर्मचारियों को कैलण्डर वर्ष के देय अवकाश मय ऐच्छिक अवकाश दिये जाने, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति, वरिष्ठ सहायक की पदोन्नति व वाणिज्य सहायक-प्रथम की नियुक्ति तिथि के आधार पर वरीयता निर्धारण कर पदोन्नति करने एवं पूर्व में उक्त पद पर अनुपात के आधार पर की गई पदोन्नति को उपरोक्त मांग के अनुसार संशोधित करने, खण्डस्तर पर सहायक लेखाधिकारी-प्रथम का पद सृजित करने ,रेवेन्यू मैन्युअल के प्रावधानानुसार उपखण्डों में सहायक राजस्व अधिकारी के साथ कनिष्ठ लेखाकार की नियुक्ति करने ,वृत्त स्तर पर वरिष्ठ लेखाधिकारी व संभाग स्तर पर मुख्य लेखाधिकारी के पदों का सृजन करने व लेखाधिकारी के पदों पर सीधी भर्ती बन्द करने,विद्युत निगमों में पूर्व की भांति बोनस/एक्सग्रेसिया व बकाया मंहगाई भत्ते की सम्पूर्ण राशि का नगद भुगतान करने एवं अभी तक जी.पी.एफ. सब खातों में स्थानांतरित की गई राशि वापस से कर्मचारियों के जी.पी.एफ खातों में जमा कराने,तकनीकी कर्मचारियों की जोखिम पूर्ण कार्यप्रणाली को देखते हुए हार्ड ड्यूटी अलाउंस देने,विद्युत निगमों में अनुबंध, संविदा, आउटसोर्सिंग इत्यादि के तहत लगे कर्मचारियों के लिए सुरक्षात्मक कानून, सामाजिक व रोजगार सुरक्षा की गारंटी एवं समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित करने व इन कर्मियों की विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सुरक्षा मानकों हेतु निर्धारित कानूनों की पालना सुनिश्चित करने एवं विद्युत दुर्घटना की परिस्थितियों में समस्त चिकित्सा व्यय निगमों द्वारा वहन करने। तथा दुर्घटना में मृत्यु की दशा में जाँच व दण्ड सहित देय भुगतान की समयबद्धता सुनिश्चित करने, फीडर इंचार्ज की काल्पनिक पदनाम को पहले स्वीकृत कर विरोधाभासी 26 कार्यों को तर्कसंगत बनाने और अतिरिक्त कार्य का पूर्व की भांति इंसेंटिव पुन: चालू करने,कनिष्ठ अभियन्ताओं की सीधी भर्ती में से 25 प्रतिशत पद कार्यरत आई.टी.आई तकनीकी कर्मचारियों से उत्तरप्रदेश की तर्ज पर भरने, विभागीय कर्मचारियों द्वारा अन्य कैडर की सीधी भर्ती के पदों पर चयनित होने पर पूर्व अथवा वर्तमान कैडर के समकक्ष/कनिष्ठ कर्मचारी से पे-स्टेपिंग अवसर प्रदान करने आदि मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि संघ की ओर से 06 मई को वृत और जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन, 20 मई को डिस्कॉम मुख्यालय स्तर पर धरना,10 जून को जयपुर के विधुत भवन पर घेराव प्रदर्शन किया जाएगा।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अपने आवास पर सुनी नागरिकों की समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बुधवार को अपने निवास पर पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। जनसंवाद के दौरान सांसद ने क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने नागरिकों द्वारा रखी गई विभिन्न प्रशासनिक एवं विकास कार्यों से जुड़ी बातों को ध्यानपूर्वक सुना। समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी असुविधा के सरलता से प्राप्त हो सके। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि वर्तमान सरकार जनसेवा के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा आप सभी के सुख-दुख में साथ रहना और आपकी हर समस्या को अपनी जिम्मेदारी मानकर उसका समाधान करना ही मेरे जीवन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास

ही मेरी ताकत है और जनसेवा ही मेरा परम धर्म है। प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से सांसद ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए कि जनकार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से नागरिकों की समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना: पात्र श्रद्धालु अब 30 तक कर सकते हैं सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) के दर्शन के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है, पहले इसकी अंतिम तिथि 15 अप्रैल थी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को 5 मई को कुरुक्षेत्र से झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से जाने वाली संगत को रवाना करेंगे। इसके लिए पात्र श्रद्धालु नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे अब 30 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना के तहत यात्रा पूरी तरह नि:शुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। चयन प्रक्रिया 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगी, इसलिए पात्र लाभार्थी समय रहते आवेदन करें। इस यात्रा का पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए कुछ नियम निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। परिवार की वार्षिक आय परिवार पहचान पत्र में 1.80 लाख रुपए से कम होनी चाहिए।

डीसी ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थियों को 1 मई से पहले पुराने लघु सचिवालय में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय नारनौल में अपनी सूचना देना अनिवार्य होगी, ताकि यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने जिले के पात्र बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।

योजना का लाभ उठाने के लिए यह होगी पात्रता

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है।

नीमराना में बार काउंसिल चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, 131 में से 105 अधिवक्ताओं ने डाले वोट; वीडियोग्राफी में कैद हुई पूरी प्रक्रिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के 23 सदस्यों के चुनाव के लिए बुधवार को नीमराना के तहसीलदार कार्यालय स्थित बूथ नंबर 22 पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। नीमराना अभिभाषक संघ के कुल 131 पंजीकृत मतदाताओं में से 105 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान का प्रतिशत 80.15' रहा। मतदान सुबह 8 बजे से सायं 5 बजे तक चला। पूरी प्रक्रिया ग्राम न्यायालय न्यायाधिकारी योगेश भारद्वाज एवं चुनाव ऑब्जर्वर उपखंड अधिकारी नीमराना महेन्द्र सिंह यादव की देखरेख में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मतदान प्रक्रिया एडिशनल पोलिंग ऑफिसर एडवोकेट जितेंद्र कुमार सांमरिया के नेतृत्व में कराई गई। पोलिंग पार्टी में एमजीएम कोर्ट रीडर बबलू सिरोहीवाल, ग्रामीण न्यायालय सहायक कर्मचारी

अजय मैरोडिया, उपखंड कार्यालय बाबू विनोद जांगिड़ और ख्यालीराम सैनी शामिल रहे। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरे चुनाव कार्यक्रम की वीडियोग्राफी भी कराई गई।गौरतलब है कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान चुनाव नियम, 1968 के नियम 18 के तहत रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. सचिन आचार्य ने एडवोकेट जितेंद्र कुमार सांमरिया को बूथ नंबर 22 पर अतिरिक्त मतदान अधिकारी नियुक्त किया था। मतदान के लिए मतदाताओं ने बार काउंसिल द्वारा जारी पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेजों का उपयोग किया। मतदान समाप्ति के बाद सीलबंद मतपेटियों को नियमानुसार आगे की प्रक्रिया के लिए सुरक्षित भेज दिया गया है। शांतिपूर्ण और सफल मतदान पर अधिवक्ताओं ने चुनाव दल एवं प्रशासन का आभार जताया।

गौसेवा के लिए किया आर्थिक सहयोग, प्रथम पुण्यतिथि पर परिजनों ने दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । गौसेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्वर्गीय निर्मला देवी पत्नी ओमप्रकाश कुलहरी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके परिजनों द्वारा गौसेवा हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने गोवंश को गुड़ खिलाकर सेवा की तथा 11,000 रुपये की नगद राशि भेंट कर पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में भारत गैस प्रबंधक मंडावा राजेश कुलहरी, पौत्र कार्तिक, पौत्रवधु दीपशिखा, पौत्री शालिनी एवं सुरेश उपस्थित रहे। सभी ने गोमाता का आशीर्वाद प्राप्त कर स्वर्गीय निर्मला देवी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। समिति के रविंद्र शर्मा ने उपस्थित परिजनों का गोमाता का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया तथा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। परिजनों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा परिवार पर सदैव आशीर्वाद बनाए रखें।

रैफल्स यूनिवर्सिटी के शोधार्थी डॉ. विकाश सिंह चौहान को मिली पीएच.डी., ग्रीन सप्लाई चेन पर शोध को बताया गया सतत विकास के लिए अहम

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स यूनिवर्सिटी के अलब्बार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के शोधार्थी डॉ. विकाश सिंह चौहान को सफलतापूर्वक डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई है। उनका शोध विषय 'ए स्टडी ऑन इम्पैक्ट ऑफ ग्रीन सप्लाई चेन बिहेवियर ऑन ऑर्गनाइजेशनल सस्टेनेबिलिटी इन दिल्ली एनसीआर रीजन' वर्तमान समय में सतत विकास के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 510 सैंपल पर आधारित गहन अध्ययन, डॉ. चौहान के शोध में ग्रीन सप्लाई चेन के विभिन्न आयामों जैसे इको-डिज़ाइन, ग्रीन परचेजिंग, ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन डिस्ट्रीब्यूशन एवं रिवर्स लॉजिस्टिक्स का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। यह अध्ययन दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के 510 सैंपल पर आधारित है, जिसमें टी-टेस्ट, एनोवा एवं सहसंबंध जैसे सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग किया गया। शोध के अहम निष्कर्ष, शोध के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि ग्रीन सप्लाई चेन व्यवहार का संगठनात्मक सततता पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इसके अंतर्गत आर्थिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रदर्शन

में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। साथ ही शोध में यह भी पाया गया कि प्रबंधकीय एवं नियामक कारक सतत प्रथाओं को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दी बधाई, इस उपलब्धि पर डॉ. चौहान ने रैफल्स यूनिवर्सिटी की चेयरपर्सन डॉ. जस्टिस मीना वी. गोम्बर का विशेष आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने वाइस चांसलर डॉ. राजेन्द्र सिंह सांगवान, डीन प्रो. डॉ. संजीव तथा विशेष रूप से गाइड डॉ. मुनेश यादव का धन्यवाद किया। डॉ. चौहान ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता एवं परिवार को भी देते हुए उनके निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे अन्य शोधार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक सफलता बताया है।

फतेहाबाद पुलिस की कार्यवाही: पेट्रोल पंप से डीजल डलवाकर बिना पैसे दिए भागने वाले मामले दूसरा आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा धोखाधड़ी और आपराधिक वारदातों में संलिप्त दोषियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने पेट्रोल पंप पर तेल डलवाकर पैसे दिए बिना फरार होने के मामले में दूसरे सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान राहुल उर्फ भोला पुत्र दीवान सिंह, निवासी नाडौढी (फतेहाबाद) के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला हांसपुर रोड, दौलतपुर स्थित 'बलराज सिहाग प्योर फ्यूल' पेट्रोल पंप के मालिक मनोज कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि 31 मार्च 2026 को सुबह करीब 11:25 बजे एक सफेद रंग की कार पेट्रोल पंप पर आई। कार चालक ने सेल्समैन से गाड़ी की टंकी और साथ रखी ढोली में कुल 5800 रुपये का डीजल डलवाया। जब सेल्समैन ने पैसे मांगे, तो आरोपी चालक गाड़ी भगाकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) और 318(4) के तहत मुकदमा नंबर 123/2026 दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था । अब इस मामले में दुसरा सहआरोपी राहुल उर्फ भोला को गिरफ्तार कर लिया है। मामले मे आरोपी से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

नीमराना की नेचर वेल फूड कंपनी में श्रमिकों का प्रदर्शन, वेतन वृद्धि और सुरक्षा उपकरणों की मांग; प्रबंधन के आश्वासन पर लौटे काम पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । इंडियन जोन औद्योगिक क्षेत्र स्थित नेचर वेल फूड प्राइवेट लिमिटेड (रिच लाइट बिस्किट) कंपनी में बुधवार को श्रमिकों ने विभिन्न मांगों को लेकर कंपनी गेट पर प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने वेतन वृद्धि, समय पर वेतन भुगतान, ईएसआई-पीएफ का लाभ, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और भोजन व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें लंबे समय से वेतन वृद्धि नहीं मिली है और वेतन का भुगतान भी समय पर नहीं होता। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी द्वारा सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरण, जैसे सेफ्टी शूज, उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम बना रहता है। श्रमिकों ने भोजन की खराब गुणवत्ता और भेदभाव का भी आरोप लगाया। श्रमिकों ने बताया कि कई कर्मचारी वर्षों से कंपनी में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो उचित वेतन वृद्धि मिली है और न ही ईएसआई व पीएफ जैसी सुविधाओं का पूरा लाभ मिल रहा है। ड्यूटी के समय गेट बंद करने की नीति और कार्य आवंटन को लेकर भी श्रमिकों में असंतोष था। सूचना मिलने पर नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा और चौकी इंचार्ज मनोहर लाल मीणा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और पुलिस की मौजूदगी में कंपनी प्रबंधन तथा श्रमिकों के बीच बातचीत शुरू कराई। वार्ता के बाद श्रमिकों की एक कमेटी बनाई गई, जिसने अपनी समस्याओं पर चर्चा की। कंपनी

प्रबंधन ने अधिकांश मांगों को स्वीकार करते हुए व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया। वेतन वृद्धि के संबंध में प्रबंधन ने इसे सरकारी नियमों के अनुसार करने की बात कही।

कंपनी के एचआर प्रतिनिधि धर्मेंद्र ने स्पष्ट किया कि ईएसआई और पीएफ की सुविधा दी जा रही है। हालांकि, उन्होंने ठेकेदार स्तर पर गड़बड़ी की आशंका जताई और कहा कि इसकी जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रबंधन से आश्वासन मिलने के बाद श्रमिकों ने अपना धरना समाप्त कर दिया और काम पर लौट आए। इस प्रदर्शन में सरोज, शबनम, पिंकी, रचना, इलमा, संजीता, आकाश, नंदकिशोर, रवि, श्याम, प्रवीण, अनिल, रोशनी सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

सभी विभागों की सक्रिय भूमिका से नशा मुक्त बनेगा जिला : कोई भी जनप्रतिनिधि नशा तस्करों की जमानत में सहयोग न करे: डीसी

जिला प्रशासन का स्कूल-कॉलेजों में खेल व जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला को नशा मुक्त बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए सकारात्मक प्रयास करने होंगे। यह निर्देश डीसी डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित एनकोर्ड एवं नशा मुक्त भारत अभियान की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। डीसी ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूल व कॉलेजों में खेल प्रतियोगिताएं, स्लोगन लेखन व अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएं, ताकि युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके। इसके साथ ओपन जिम स्थापित करने और विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा

देने पर भी बल दें। डीसी ने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर व होर्डिंग लगाए जा रहे हैं। डीसी ने सभी सरपंचों को निर्देश दिए कि गांवों में खेल सुविधाएं बढ़ाई जाएं और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए। कोई भी जनप्रतिनिधि नशा तस्करों की पैरवी या जमानत में सहयोग न करे। सीएमओ को निर्देश देते हुए डीसी ने कहा कि बिना डॉक्टर के पर्चे के किसी भी प्रकार की सिरिंज उपलब्ध न करवाई जाए और इसके उपयोग का पूरा रिकॉर्ड रखा जाए। बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण निर्धारित नियमों के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने कहा कि पंचायतों व वार्डों में खाली पड़ी इमारतों की नियमित जांच की जाए, ताकि इन स्थानों का दुरुपयोग न हो सके। नशा मुक्ति से संबंधित सभी गतिविधियों का नियमित फीडबैक भी लिया जाए। डीसी ने कहा कि यदि किसी पेंशन लाभार्थी का नाम नशा तस्करी के मामलों में सामने आता है, तो उसकी पेंशन रोक दी जाएगी। साथ ही सभी विभागों में ड्रग कंट्रोल सेल का गठन कर दिया गया है, जो इस दिशा में निगरानी रखेगा। एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों में नशा मुक्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि जिले में पुलिस की गश्त लगातार जारी है और किसी भी हालत में नशे की बिक्री नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से सिरिंज के उपयोग पर रोक लगाई जा रही है तथा खाली स्थानों और खंडहर इमारतों की नियमित जांच की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि सख्त कार्रवाई की जा सके। यदि किसी शैक्षणिक संस्थान के आसपास नशे की बिक्री की सूचना मिलती है तो तुरंत पुलिस को अवगत कराया जाए।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई इंडियंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग के इस 19 वे सत्र में दो पूर्व चैम्पियनों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुम्बई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला होगा। इस सत्र में इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य ये मैच जीतना रहेगा। मुम्बई की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी। ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस सत्र में दोनो ही टीमों ने अब तक छह में से केवल दो-दो मुकाबले ही जीते है। मुंबई इंडियंस को तीन मैचों में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा है हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में तिलक वर्मा के शानदार शतक से उसे जीत मिली थी जिससे उसके हौसले बुलंद है। इससे टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं सीएसके 8वें स्थान पर है। मुम्बई की बल्लेबाजी तिलक के अलावा सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या पर आधारित रहेगी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा फिट नहीं होने के कारण इस मैच में भी नहीं खेलेंगे जिससे भी टीम को झटका लगा है। टीम की गेंदबाजी भी इसबार प्रभावी नहीं रही है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस बार असफल रहे हैं, इससे भी टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वहीं सीएसके की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है हालांकि इस मैच में अनुभवी पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की वापसी की संभावनाओं को लेकर टीम में उत्साह है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब फार्म से टीम की परेशानी बढ़ी है। अब तक उसकी ओर से केवल संजू सैमसन ने दो अर्धशतक लगा पाये है। ऐसे में उनसे इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान अंशुल कंबोज के पास रहेगी। कंबोल ने इस सत्र में सबसे अधिक 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऐसे में मुम्बई के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। दोनो टीमों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें कुल 39 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 21 मैच जीते हैं, जबकि सीएसके ने 18 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो मुकाबला करीबी रहा है। मुम्बई की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनना तय है।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, शिवम दुबे, एमएस धोनी, जेमी ओवरटन, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद।

इम्पैक्ट प्लेयर: गुरजापनीत सिंह

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), दानिश मालेवार, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), नमन धीर, सूर्यकुमार यादव,तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, मिशेल सेंटनर, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर।

इम्पैक्ट प्लेयर: अश्वनी कुमार

धोनी वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे, बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का किया अभ्यास

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं। इसका संकेत इससे मिलता है कि धोनी ने गत दिवस वानखेड़े स्टेडियम में जमकर विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने नेट्स में बल्लेबाजी की। धोनी के अलावा सरफराज खान और उर्विल पटेल ने भी अभ्यास किया। आयुष म्हात्रे के टूर्नामेंट से बाहर होने के कारण इस मैच में युवा उर्विल को भी अवसर मिल सकता है। धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है। जिससे सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब हुआ है। अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है और उनका नेट रन रेट भी निगेटिव है। ऐसे में अगर धोनी को टीम में जगह मिलती है तो ये टीम के लिए फायदमंद होगा। धोनी निचले क्रम में छोटी-छोटी पारियां खेलते हैं, तो यह सीएसके के लिए बड़ा फायदमंद होगा क्योंकि इस सत्र में सीएसके की बल्लेबाज काफी कमजोर रही है। .वहीं मुंबई इंडियंस की ओर इंग्लैंड के विल जैक्स भी टीम में वापसी करेंगे। जैक्स ने निजी कारणों से अब तक के मैच नहीं खेले थे। इस खिलाड़ी के आने से मुंबई इंडियंस को लाभ होगा। इस मैच में अगर रोहित शर्मा नहीं खेलते हैं, तो जैक्स को क्विंटन डिकॉक के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है।

अब तक खेलने का अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं होल्डर

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम में शामिल वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा है कि अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं हैं। होल्डर ने कहा है कि वह अपनी ओर से पूरी तरह तैयार हैं और जो भी अवसर मिलेगा उसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। होल्डर के अनुसार उनका मुख्य काम केवल अपने को तैयार रखना है। अंतिम ग्यारह में किसे अवसर मिलता है ये उसका काम नहीं है।

वहीं होल्डर को अब तक अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। इस सत्र में वह अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाये हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, कब खेलना है, कौन खेलेगा इन बातों में वह नहीं पड़ते। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की जरूरतें उनके लिए सबसे ऊपर हैं और वह किसी भी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में कोई भी स्थान हो या गेंदबाजी में, होल्डर का कहना है कि अब उनका ध्यान हालातों के अनुसार अपने को ढालने पर है। टीम जहाँ भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी।

टाइटंस ने अब तक के मैचों में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है पर इस ऑलराउंडर को अवसर नहीं दिया है। हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद टीम संयोजन में बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है, जिससे होल्डर जैसे खिलाड़ियों को मौका मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। होल्डर ने बताया, हारना हमेशा कठिनाइता है, लेकिन हमने ड्रेसिंग रूम में बैठकर सुधार के रास्तों पर चर्चा की है। उन्होंने टीम के साथियों में भरोसा जताते हुए कहा कि वे अगले मैचों में निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उनका पूरा ध्यान अब मजबूत वापसी पर केंद्रित है।

खतरनाक पिच के कारण रद्द हुआ मैच, सील्स नहीं बना पाये रिकार्ड

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज में पारी प्रथम श्रेणी क्रिकेट लीग में त्रिनिदाद एंड टोबैगो के युवा तेज गेंदबाज जेडन सील्स के पास 10 विकेट लेने का अवसर था पर वह ये उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये। सील्स लीवार्ड आइलैंड की पूरी टीम को अकेले ऑलआउट करने जा रहे थे पर इस मैच को बीच में ही रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इससे सील्स एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाने से रह गया। मैच रद्द होने का कारण पिच का खतरनाक और अप्रत्याशित व्यवहार था, जिसने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

यह वाकया लीवार्ड आइलैंड और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच खेला जा रहा था। इसमें लीवार्ड आइलैंड ने अपनी पहली पारी में 131 रन बनाए थे, जिसके जवाब में त्रिनिदाद एंड टोबैगो ने 175 रन बनाकर बढ़त हासिल की। जब लीवार्ड आइलैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी, तो पिच काफी अजीब व्यवहार कर रही थी। गेंद कभी बेहद नीची रहती, तो कभी असामान्य उछाल लेती, जिससे बल्लेबाजों के लिए खेलना बेहद कठिन हो गया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के पेसर जेडन सील्स ने कहर बरपाना शुरू कर दिया। पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले सील्स ने दूसरी पारी में अपनी रफ्तार और सटीकता से विरोधी टीम के शुरुआती सात बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया था। वे अकेले ही पूरी पूरी टीम को आउट करने की ओर बढ़ रहे थे तभी खेल को अचानक रोक दिया गया।

मैच के बीच में रुकने का तात्कालिक कारण एक शॉर्ट पिच गेंद थी, जो लीवार्ड आइलैंड के बल्लेबाज जेरेमिया लुईस के हेलमेट पर जा लगी। गेंद की अप्रत्याशित उछाल ने लुईस को गंभीर रूप से हैरान किया। उन्होंने हेलमेट उतारा और मैदान पर ही गिर गए। इसके बाद उन्होंने निराशा में अपने हेलमेट को पैर से भी मारा, जो पिच की खतरनाक प्रकृति को स्पष्ट रूप से दिखाता था। इससे पहले भी पूरे दिन पिच पर असामान्य उछाल देखने को मिल रहा था, जिसे क्रिकेट में खतरनाक पिच की श्रेणी में रखा गया। ऐसी पिच पर खिलाड़ियों के गंभीर रूप से चोटिल होने का खतरा बहुत अधिक होता है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मैच के तीसरे दिन ही खेल को रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इस फैसले से सील्स फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूरी टीम के दस विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम नहीं कर पाये।

भारतीय मूल के यूएई के क्रिकेटर यशराज ने डेब्यू मैच में किया प्रभावित

नई दिल्ली । आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे भारतीय मूल के यूएई के क्रिकेटर यश राज पुंजा ने पहले ही मैच में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। यश राज को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था। यश राज ने अपने डेब्यू मैच में कोलकाता नाइटराइडराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उन्होंने चार ओवरों में एक विकेट लिया। यश राज के भाई योधिन ने भी यूएई की ओर से सबसे कम उम्र में जूनियर स्तर पर खेला है पर उसे चोटिल होने के कारण खेल छोड़ना पड़ा था। ऐसे में यश के माता-पिता नहीं चाहते थे कि वह क्रिकेट खेलें पर अपनी जिद से यश ने आईपीएल तक का सफर तय किया है। यश ने अबु धाबी में क्रिकेट खेलने की शुरुआत की थी। वह पहले तेज गेंदबाज थे पर बाद में भाई की सलाह के बाद लेग-स्पिनर बन गये। इससे उन्हें काफी फायदा हुआ। उनकी गेंदों में उछाल ओर विविधता है जिसका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए परेशानी भरा है। यश साल 2023 में क्रिकेट में कैरियर बनाने भारत आ गये। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित राहुल द्रविड़ एकेडमी में प्रवेश ले लिया। दो साल के बाद ही साल 2025 में हुए महाराजा टी-20 ट्रॉफी में इस क्रिकेटर ने 10 मैच में 7.45 की इकॉनमी रेट से 23 विकेट लिए और दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये। इसके बाद यश राज को नेट गेंदबाज के तौर पर आईपीएल में अवसर मिल गया। .जिस प्रकार से ये खिलाड़ी निखर रहा है उससे भविष्य में इसके स्टार खिलाड़ी के तौर पर उभरने की संभावना है।

कप्तान के तौर पर धोनी और रोहित को टक्कर देते नजर आ रहे श्रेयस

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कप्तानी के आंकड़ों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड सबसे बेहतर माना जाता है। इन दोनों दिग्गजों ने अपनी-अपनी टीमों को पांच-पांच बार खिताब जिताया है। वहीं अब पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इन दोनो ही दिग्गजों को टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत दिलायी थी जबकि पिछली बार उनकी कप्तानी में पंजाब उपविजेता रही थी। हाल के आंकड़ों को देखें तो अय्यर कप्तानी के मामले में तेजी से आगे आये है। उन्होंने अब तक कुल 93 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम ने 55 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि उसे केवल 35 में ही हार मिली है। इस प्रकार उनका जीत का प्रतिशत 59.13 है, जो उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों की सूची में शीर्ष स्तर पर पहुंचा रहा है। उन्होंने केकेआर और पंजाब के अलावा दिल्ली कैपिल्स की भी कप्तानी की है। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को चैम्पियन बनाया पर जीत के प्रतिशत के मामले में श्रेयस इन दोनो के करीब पहुंच गये हैं। धोनी और रोहित ने जहां कई साल तक कप्तानी वहीं अय्यर कम समय में ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। श्रेयस एक एक परिपक्व कप्तान नजर आते है। जिस प्रकार उन्होंने साल 2024 में केकेआर की युवा टीम को एकजुट कर विजेता बनाया था उससे पता चलता है कि वह रणनीत बनाने में भी माहिर हैं। जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहे है उससे तय है कि आने वाले समय में वह काफी आगे निकल जाएंगे।

ला लीगा फुटबॉल में रियल मैड्रिड, बेटिस और एथलेटिक ने अपने-अपने मुकाबले जीते

मैड्रिड (एजेंसी)। यहां जारी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रियल मैड्रिड, रियल बेटिस और एथलेटिक क्लब ने जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले के लिए अपने-अपने कदम बढ़ाये हैं। रियल मैड्रिड ने जहां अलावेस को 2-1 से हराकर, वहीं रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से और एथलेटिक क्लब ने ओसासुना को 1-0 से हराया। अब रियल मैड्रिड और नंबर पर चल रही बार्सिलोना के बीच अंतर कम होकर 6 अंक ही रह गया है। इससे खिताबी दौड़ और कड़े होने के संकेत मिले हैं। अब बार्सिलोना का सामना सेल्टा विगो से होगा और एटलेटिको मैड्रिड एल्चे का सामना करेगा।

मैड्रिड की टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। खेल के 29वें मिनट में ही स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने एक गोल दागकर टी को 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में भी मैड्रिड हावी रही और विनिसियस जूनियर ने एक गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। अलावेस के लिए टोनी मार्टिनेज ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

वहीं एक अन्य मुकाबले में, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराकर सात मैचों के बी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में शुरुआती गोल गिरोना के विक्टर त्सिगांकोव ने किया पर बेटिस की ओर से मार्क रोका और अब्दे एजालजौली ने गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत से बेटिस की लीग में स्थिति मजबूत हुई है।

एक अन्य मैच में एथलेटिक क्लब ने भी ओसासुना के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत उसे उसपर लटक रहा रेलीगेशन का खतरा टल गया। इससे टीम ने तालिका में अपनी स्थिति को और बेहतर की है। टीम के लिए एकमात्र और निर्णायक गोल गोर्का गुरुजेटा ने किया। वहीं, टीम के गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार बचाव करते हुए टीम की जीत पक्की की। की, जिसने मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, मैलोर्का और वालेंसिया के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इससे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला।।

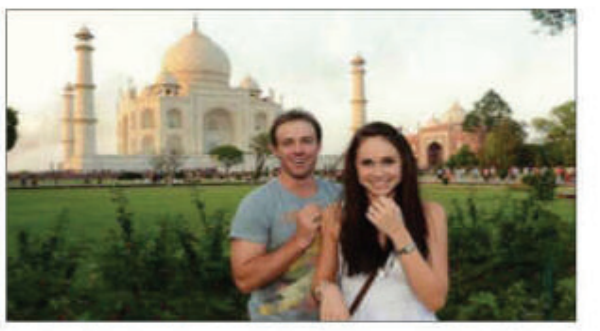

तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतकीय पारी का राज खोला, रोहित शर्मा को दिया श्रेय

मुंबई । तिलक वर्मा ने IPL में शतक लगाकर अपनी फॉर्म में लौटने में मदद के लिए रोहित शर्मा को धन्यवाद दिया जिन्होंने मैच की स्थिति के बारे में ज्यादा सोचे बिना पहली 15-20 गेंदें खेलने के लिए कहा था। तिलक ने 101 रन बनाकर मुंबई इंडियंस को 99 रनों की बड़ी जीत दिलाई जिससे मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार चार मैच हारने का सिलसिला तोड़ दिया। तिलक का 45 गेंदों पर बनाया गया नाबाद शतक, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे, एक धीमी शुरुआत के बाद आया जो एक समय 22 गेंदों पर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। तिलक ने कहा, 'मैं खास तौर पर रोहित भाई से बात कर रहा था। उन्होंने मुझसे कहा, '15-20 गेंदें खेलो' और 'तुम जानते हो कि तुम क्या कर सकते हो। (रोहित ने कहा) अगर तुम 15 गेंदें खेल लेते हो, तो हर कोई जानता है कि उसके बाद तुम क्या करोगे। बस स्थिति या किसी और चीज पर ध्यान मत दो, 15 गेंदें खेलो और हम देखेंगे कि नतीजा क्या होता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला और मैंने अपने मन में ठान लिया कि मैं 15 गेंदें खेलूंगा और उसके बाद बाकी चीजें देखूंगा। जब मैंने वे 15 गेंदें खेल लीं, तो अपने आप ही वह सहज-ज्ञान आ गया कि अब मुझे मारना है।' तिलक ने कहा कि IPL की खराब शुरुआत के बाद उन्होंने खुद पर कोई दबाव नहीं लिया जिसमें इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 20, 0, 14, 1 और 8 रन बनाए थे। तिलक ने कहा, '(कुछ मैचों में) मुझे विकेट पर ज्यादा समय नहीं मिला और मुझे शुरू से ही तेजी से खेलना पड़ा। कभी-कभी यह मेरे पक्ष में जाता है और कभी-कभी मैं आउट हो जाता हूं, इसलिए मैंने खुद पर ज्यादा (दबाव) नहीं लिया कि मैं अच्छी फॉर्म में नहीं हूं।'

डिविलियर्स ने किया था ताजमहल के सामने प्रपोज

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी एबी डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट जगत में छाये रहे हैं। मैदान पर चारों ओर शॉट खेलने के कारण वह मिस्टर 360 के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। डिविलियर्स ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ये कहते हुए संन्यास ले लिया था कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना है। उन्होंने अपने 14 साल के शानदार करियर में सबसे तेज शतक सहित कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। खेल के साथ ही मैदान के बाहर भी अपने अफेयर ओर शादी के लिए वह चर्चाओं में रहे हैं। इस दौरान भारत से भी उनका जुड़ाव इस कारण रहा कि उन्होंने शादी के लिए आगरा के ताजमहल के सामने प्रपोज किया था1 डिविलियर्स की पत्नी डेनियल डिविलियर्स भी एक सफल उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता रही हैं। वह प्रिटोरिया में एक इंडोर प्लेग्राउंड और कैफे चलाती हैं। डेनियल अक्सर चैरिटी के कामों में सक्रिय रहती हैं; आईपीएल 2016 के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से शेन वॉटसन के साथ एक गाना भी गाया था, जिससे पता चलता है कि वह सामाजिक जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं। डिविलियर्स और डेनियल का अफेयर साल 2007 में हुई, जब डिविलियर्स डेनियल के माता-पिता के होटल में दोपहर के भोजन के लिए गए थे। यहीं पहली बार डिविलियर्स ने डेनियल को देखा और प्रभावित हो गये। कुछ साल बाद, डिविलियर्स के भाई की शादी में दोनों की फिर मुलाकात हुई। इस बार डेनियल की सुरीली आवाज से डिविलियर्स मुग्ध हो गये। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और धीरे-धीरे प्यार हुआ। पांच साल तक डेटिंग के बाद इस क्रिकेटर ने डेनियल को प्रपोज कर दिया। डिविलियर्स ने साल 2012 में भारत दौरे के समय आगरा के ताजमहल के सामने घुटनों पर बैठकर डेनियल को शादी के लिए प्रपोज किया था। इस यादगार प्रस्ताव के ठीक एक साल बाद, 30 मार्च 2013 को, दोनों ने उसी होटल में शादी की, जहां उनकी पहली मुलाकात हुई थी। आज इन दोनो के तीन बच्चे अब्राहम डिविलियर्स, जॉन रिचर्ड डिविलियर्स और बेटी येंटे डिविलियर्स हैं। ये जोड़ सुखी जीवन जीत रहा है।

एकादश से बाहर बैठने का आदी नहीं लेकिन टीम माहौल के मुताबिक ढलना मेरी जिम्मेदारी : वेंकटेश

बेंगलुरु(एजेंसी)। वेंकटेश अय्यर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की एकादश में नियमित तौर पर जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन यह हरफनमौला खिलाड़ी टीम की उन परिस्थितियों को भली-भांति समझता है जिनकी वजह से उन्हें बेंच पर बैठना पड़ रहा है। वह टीम मैनेजमेंट द्वारा दी गई भूमिका की स्पष्टता से संतुष्ट हैं। IPL 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के विजयी अभियान का हिस्सा रहे वेंकटेश IPL 2026 से पहले RCB से जुड़े, लेकिन अब तक उन्हें केवल एक ही मैच खेलने का मौका मिला है, क्योंकि बेंगलुरु टीम के शीर्ष और मध्यक्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

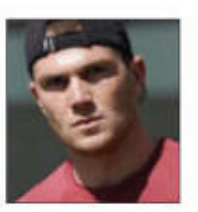

वेंकटेश ने यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, 'मुझे बाहर बैठने की आदत नहीं है, लेकिन यह एक टीम का माहौल है। एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में जो टीम को सबसे ऊपर रखता है, मेरा कर्तव्य है कि मैं इस माहौल का पालन करूं।' वेंकटेश इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि आरसीबी उस संयोजन में बदलाव करने से हिचकेगी जिसने एक साल पहले उन्हें उनका पहला आईपीएल खिताब दिलाया था। उन्होंने कहा, 'हम गत चैंपियन हैं। खिताब दिलाने वाले संयोजन में बदलाव करना मुश्किल होता है। यह समझदारी भरा कदम नहीं होता। ऐसे में टीम से जुडे नये खिलाड़ी के तौर पर मेरा कर्तव्य है यह समझना कि मैं किस भूमिका में योगदान दे सकता हूं। इसका श्रेय मो (बोबाट), एंडी (फ्लावर) और डीके (दिनेश कार्तिक) को जाता है।'

उन्होंने कहा, 'उन्होंने टीम में मेरी भूमिका को लेकर बातचीत में शानदार स्पष्टता दी है। ईमानदारी से कहूं तो बाहर बैठना मुश्किल है। यह ऐसी चीज है जिसके लिए आप तैयारी नहीं कर सकते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। यह 'अगर' नहीं बल्कि 'कब' का सवाल है।' RCB ने IPL 2025 से पहले हुई नीलामी में 31 वर्षीय वेंकटेश को सात करोड़ रुपए में खरीदा था, जो इससे पहले चयक्रसे मिले 23.75 करोड़ रुपए की तुलना में काफी कम है। उनकी कीमत में आई गिरावट की तरह उनके लिए ऋष्क्रमें खेलने के मौके भी कम हुए हैं, लेकिन वेंकटेश का मानना है कि इससे उनकी प्रेरणा पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह आसान नहीं है, लेकिन प्रेरित रहना बेहद जरूरी है क्योंकि आप आसानी से हताश हो सकते हैं और अपनी कार्यशैली को पीछे छोड़ सकते हैं। इसलिए मैं अपने मन को इस तरह तैयार करता हूं कि मैं हर मैच खेलने वाला हूं। 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के साथ कुछ भी हो सकता है।'

इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे ड्रेपर , फ्रैंच ओपन से कर सकते हैं वापसी

लंदन। इंग्लैंड के टेनिस स्टार जैक ड्रेपर चोटिल हो गये हैं। इस कारण वह इटली की राजधानी रोम में इसी माह के अंत में शुरू होने वाले इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे। ड्रेपर के घुटने में चोट लगी है। इसी कारण वह मैड्रिड ओपन से भी बाहर हैं। ड्रेपर के नहीं खेलने से उनके प्रशंसकों को निराशा हुई है। ड्रेपर कुछ समय पहले ही हड्डी में चोट से उबरे थे । उस चोट के कारण वही व विंबलडन से भी बाहर रहे थे। अब मैड्रिड के बाद रोम से उनके नाम वापस लेने से उनकी फिटनेस को लेकर चिन्ता जतायी जा रही है हालांकि ये भी कहा जा रहा है कि वह 18 मई से शुरु हो रहे फ्रैंच ओपन में खेल सकते हैं। घुटने की समस्या से वह पहले भी परेशान रहे है। इसी के कारण वह मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी नहीं खेल पाये थे। इसके अलावा बार्सिलोना में भी क्ले कोर्ट मैच के बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इससे साफ है कि घुटने की चोट उनके लिए बड़ी परेशानी बन रही है। ड्रेपर ने रोम ओपन से बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा, मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं रोम में नहीं खेल पाऊंगा। साथ ही कहा कि मैं इस बार से राहत का अनुभव कर रहा हूं कि मुझे कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है और तेजी से सुधार हो रहा है। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि मैं फ्रेंच ओपन तक ठीक हो जाउंगा। जिससे मेरा वापसी का इरादा है।

अजय देवगन की पांच बड़ी फ़िल्में कतार में, मचेगा धमाल!

अपने प्रशंसकों के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन लगातार पाँच बड़ी फ़िल्में लेकर आ रहे हैं। इन फिल्मों में से चार तो ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल हैं।। बीते दिनों जारी गोलमाल 5 के परिचय वीडियो ने तो उत्साह को और बढ़ा दिया है। इसमें अक्षय कुमार की धमाकेदार एंट्री और शरमन जोशी की वापसी ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे लग रहा है कि यह फ़िल्म कॉमेडी और सरप्राइजेज़ का एक शानदार मिश्रण होगी। अजय देवगन का आगामी फिल्मी सफर कॉमेडी, एक्शन और सस्पेंस का एक शानदार मिश्रण होने वाला है।

उनकी सबसे चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल का पांचवां इंस्टालमेंट गोलमाल 5 रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रहा है। इस मल्टीस्टारर कॉमेडी में अजय के साथ उनके पुराने साथी अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और श्रेयस तलपड़े फिर से दर्शकों को हँसाने के लिए तैयार हैं। वीडियो में अक्षय कुमार का कॉमिक-निगेटिव रोल में दिखना फिल्म के लिए एक बड़ा सरप्राइज फैक्टर है, जो कहानी में नया ट्विस्ट लाएगा। यह फ़िल्म एक बड़े ग्रुप और अधिक कॉमिक सेटअप पर केंद्रित होगी, जो पिछली फ़िल्मों की विरासत को आगे बढ़ाएगी। जहाँ गोलमालः फन अनलिमिटेड (2006) में रिमी सेन, गोलमाल रिटर्न्स और गोलमाल 3 में करीना कपूर खान और गोलमाल अगेन (2017) में परिणीति चोपड़ा ने फीमेल लीड का किरदार निभाया था, वहीं इस बार कहानी का मुख्य आकर्षण बड़े समूह और व्यापक हास्य का सेटअप होगा। इसके अलावा, अजय देवगन अपनी बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम 3 के साथ 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देंगे। इसकी रिलीज़ डेट की घोषणा पिछले साल दिसंबर में ही हो गई थी, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को चरम पर पहुँचा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि मलयालम फ़िल्म दृश्यम 3 जिसमें मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं, वह भी मई में रिलीज़ होने वाली है, जिसके बाद हिंदी रीमेक का इंतज़ार और बढ़ जाएगा और उम्मीद है कि अजय देवगन एक बार फिर अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। हाल ही में रिलीज़ हुई गुजराती फ़िल्म वश की हिंदी रीमेक शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें अजय देवगन ने एक पिता की दमदार भूमिका निभाई थी और उनके साथ ज्योतिका भी नज़र आई थीं। फ़िल्म को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब वह शैतान 2 में भी अपने गहन अभिनय को दोहराते हुए दिखाई देंगे, जिससे हॉरर-थ्रिलर प्रेमियों में खुशी की लहर है। तमिल फ़िल्म कैथी की हिंदी रीमेक भोला को भी लॉकडाउन के दौरान रिलीज़ होने के बावजूद दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। अजय देवगन ने इस एक्शन थ्रिलर में लीड रोल निभाया था। अब वह भोला 2 में भी मुख्य किरदार निभाते नज़र आएंगे, जिसके अगले साल रिलीज़ होने की संभावना है। यह फ़िल्म एक्शन प्रेमियों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी। कॉमेडी फ्रेंचाइजी के शौकीन दर्शकों के लिए धमाल 4 भी अजय देवगन की आगामी लिस्ट में शामिल है। टोटल धमाल के बाद वे दूसरी बार इस मल्टीस्टारर फ़िल्म से जुड़ रहे हैं, जिसके इस साल के अंत तक या अगले साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की संभावना है। इन सीक्वल फ़िल्मों के अलावा, अजय देवगन अगले साल एक नई एक्शन फ़िल्म रेंजर में भी नज़र आएंगे। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फ़िल्म में संजय दत्त और तमन्ना भाटिया भी अहम किरदारों में हो सकते हैं। रेंजर से अजय देवगन एक बार फिर अपनी एक्शन इमेज को मजबूत करेंगे।

हर दौर में चुनौती का डटकर सामना किया मंदिरा बेदी ने

90 के दशक में छोटे परदे के लोकप्रिय धारावाहिक शांति से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेती मंदिरा बेदी आज उन चुनिंदा हस्तियों में से एक हैं, जिन्होंने हर दौर में चुनौती का डटकर सामना किया। चाहे वह 90 के दशक का टीवी हो, क्रिकेट की दुनिया में एंकरिंग का नया दौर हो या फैशन के चमकते मंच, मंदिरा ने हर जगह अपनी एक खास पहचान बनाई। एक ऐसा समय भी आया, जब उन्हें तीखी आलोचना और सार्वजनिक निंदा का सामना करना पड़ा। लेकिन, मंदिरा इन सब के आगे एक चट्टान की तरह खड़ी रहीं और अपने संकल्प से पीछे नहीं हटीं। मंदिरा बेदी हाल ही में 15 अप्रैल को जन्मदिन मनाया। बचपन से ही उन्हें अभिनय और रचनात्मक कलाओं में गहरी दिलचस्पी थी। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा। 90 के दशक में प्रसारित हुए बेहद लोकप्रिय धारावाहिक शांति ने उन्हें रातों-रात एक बड़ा नाम बना दिया। .इस शो में एक आत्मनिर्भर और सशक्त महिला का उनका चित्रण इतना प्रभावशाली था कि वे घर-घर में एक जाना-पहचाना चेहरा बन गईं, और आज भी उन्हें उनके इस किरदार के लिए याद किया जाता है। इसके बाद उन्होंने कई अन्य टीवी शोज में काम किया और धीरे-धीरे फिल्म तथा होस्टिंग की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई। लेकिन उनके करियर में असली मोड़ तब आया, जब उन्हें क्रिकेट जैसे खेल में प्रेजेंटर बनने का अवसर मिला। साल 2003 में आईसीसी वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने स्पोर्ट्स एंकरिंग शुरू की, जो उस समय भारतीय टेलीविजन के लिए एक अभूतपूर्व प्रयोग था, क्योंकि उस समय खेल कमेंट्री और प्रस्तुति में महिलाओं की उपस्थिति बेहद दुर्लभ थी। यहीं से उनका करियर एक नए स्तर पर पहुंचा, लेकिन इसी दौर में उन्हें ज़बरदस्त आलोचना का सामना भी करना पड़ा। सबसे खास बात यह थी कि यह ट्रोलिंग सोशल मीडिया के बिना भी होती थी, जो प्रिंट मीडिया और सार्वजनिक बहसों के माध्यम से उन पर हावी होने की कोशिश करती थी। उदाहरण के तौर पर, 2003 वर्ल्ड कप के दौरान कई लोगों ने उनके कपड़ों और स्टाइलिश अंदाज पर सवाल उठाए। यह तर्क दिया गया कि वह क्रिकेट जैसे गंभीर खेल को अनावश्यक रूप से ग्लैमरस बना रही हैं, जिससे खेल की शुचिता और गरिमा प्रभावित हो रही है। इसी तरह, 2007 वर्ल्ड कप में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब उनकी एक साड़ी को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस साड़ी पर अलग-अलग देशों के झंडों का डिजाइन बना हुआ था, जिसे लेकर काफी आलोचना हुई और उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगनी पड़ी। यह घटना उस समय मीडिया में खूब चर्चा में रही और मंदिरा को भारी दबाव का सामना करना पड़ा। इन सबके बावजूद, मंदिरा बेदी ने हार नहीं मानी।

ऐश्वर्या राय ने मनाई शादी की 19वीं सालगिरह

बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन सोशल मीडिया पर मौजूद तो हैं, लेकिन कम ही एक्टिव रहती हैं। कम ही मौके होते हैं जब ऐश्वर्या इंस्टाग्राम पर कोई पोस्ट साझा करें, लेकिन जैसे ही वह कोई पोस्ट शेयर करती हैं देखते ही देखते वायरल हो जाता है। अब हाल ही में लंबे समय बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। दरअसल, आज यानी 20 अप्रैल 2026 को ऐश्वर्या और अभिषेक अपनी शादी की 19वीं सालगिरह मना रहे हैं, इस मौके पर उन्होंने एक बहुत ही प्यारी फैमिली फोटो शेयर की, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। आज ऐश्वर्या और अभिषेक के लिए दोहरी खुशी का दिन था। आज ही अभिषेक की अपकमिंग फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर जारी हुआ और आज ही दोनों की 19वीं वेडिंग एनिवर्सरी थी। इस मौके पर एक फैमिली फोटो शेयर करते हुए ऐश्वर्या ने अपनी खुशी जाहिर की। ऐश्वर्या राय ने अभिषेक बच्चन की अपकमिंग फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद इंस्टाग्राम पर अभिषेक और अपनी बेटी आराध्या के साथ दो सेल्फी शेयर कीं। एनिवर्सरी के मौके पर जैसे ही अभिनेत्री ने ये फैमिली फोटो शेयर की सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। तस्वीरों में ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या और पति अभिषेक के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। जैसे ही ऐश्वर्या ने अपनी शादी की सालगिरह पर ये फैमिली फोटो शेयर की, ये वायरल हो गई। तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में एक रेड हार्ट इमोजी शामिल किया, हालांकि उन्होंने इसके साथ कोई मैसेज नहीं लिखा, लेकिन तस्वीर पोस्ट होने के कुछ ही मिनटों में इसे 20,000 से अधिक लाइक मिले और सैकड़ों लोगों ने कमेंट्स के जरिए तस्वीर पर प्यार बरसाना शुरू कर दिया।

बेटी दुआ की तस्वीर साझा कर दी जानकारी दीपिका पादुकोण दूसरी बार बनने वाली हैं मां

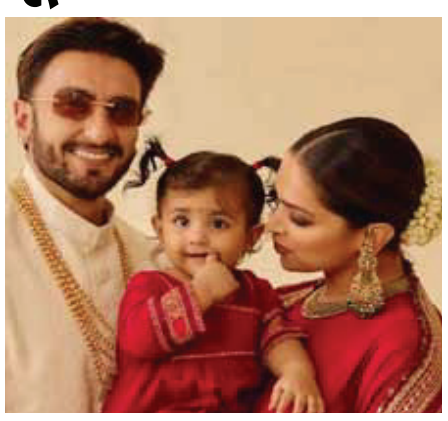

बॉलीवुड की मस्तानी दीपिका पादुकोण ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक ऐसी तस्वीर साझा की है, जिसने पूरी फिल्म इंडस्ट्री और प्रशंसकों के बीच हलचल पैदा कर दी है। दीपिका और रणवीर सिंह ने एक कोलैबोरेशन पोस्ट के जरिए अपनी बेटी दुआ पादुकोण की एक बेहद प्यारी फोटो शेयर की है। इस तस्वीर की खास बात यह है कि नन्ही दुआ के हाथ में एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट नजर आ रही है, जिस पर दो स्पष्ट गुलाबी लाइनें दिख रही हैं। इसे दीपिका और रणवीर की तरफ से अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का आधिकारिक ऐलान माना जा रहा है। दीपिका ने पोस्ट के कैप्शन में किसी शब्द का इस्तेमाल न करते हुए केवल ईवल आई (बुरी नजर से बचाने वाला) इमोजी बनाया है। जैसे ही यह पोस्ट सामने आई, कमेंट सेक्शन बधाइयों से भर गया। बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने इस कपल को शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने बधाई लिखकर अपनी खुशी जाहिर की, वहीं कियारा आडवाणी ने ढेर सारे हार्ट और ईविल आई इमोजी के साथ कपल को विश किया। कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर सहित अन्य कई फिल्मी सितारों के कमेंट्स ने इस खबर पर लगभग मुहर लगा दी है कि दीपिका और रणवीर के जीवन में एक और नन्हा मेहमान आने वाला है। खबर लिखे जाने तक इस पोस्ट को लाखों लोग लाइक कर चुके हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण नवंबर 2018 में शादी के बंधन में बंधे थे। उनकी पहली बेटी, दुआ पादुकोण का जन्म सितंबर 2024 में हुआ था। अब महज कुछ ही समय बाद दूसरी प्रेग्नेंसी की इस खबर ने प्रशंसकों को हैरान और खुश कर दिया है। हालांकि, गॉसिप गलियारों में कुछ लोग इसे किसी ब्रांड कैंपेन का हिस्सा भी मान रहे हैं, लेकिन जिस तरह से फिल्म जगत के दिग्गज सितारे रिएक्ट कर रहे हैं, उससे इसके व्यक्तिगत खुशखबरी होने की संभावना प्रबल नजर आ रही है। इस खबर के बाद अब दीपिका के आगामी फिल्मी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। दीपिका के पास फिलहाल कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। अब देखना यह होगा कि क्या वह अपनी पहली प्रेग्नेंसी की तरह इस बार भी शूटिंग जारी रखेंगी या दर्शकों को उनकी फिल्मों के लिए थोड़ा और लंबा इंतजार करना होगा। फिलहाल, पूरा सोशल मीडिया इस पावर कपल को अपनी दुआएं और प्यार दे रहा है।

अरिजीत सिंह के सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है: निकिता गांधी

हाल ही में गायिका निकिता गांधी ने मशहूर गायक अरिजीत सिंह के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की है। कई गानों में अरिजीत सिंह के साथ अपनी आवाज दे चुकीं निकिता ने खुद को अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक बताया। निकिता ने अरिजीत के गायन और उनके पूरे करियर के सफर के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। वह कहती हैं कि एक बहुमुखी गायिका के तौर पर, उन्होंने अरिजीत के असाधारण सफर से बहुत कुछ सीखा है और यह उनके लिए एक प्रेरणा का स्रोत रहा है। वह अरिजीत के करियर के हर पहलू को करीब से देखती हैं और उनके द्वारा संगीत उद्योग को दिए गए अतुलनीय योगदान को स्वीकार करती हैं। निकिता गांधी ने इस दौरान अपने खुद के संगीत सफर को भी याद किया, जो आमतौर पर अन्य कलाकारों से थोड़ा अलग रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले फिल्मों में गाना शुरू किया और उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज़ किया, जबकि आमतौर पर कलाकार पहले इंडी म्यूजिक से शुरुआत करते हैं और फिर फिल्मों की ओर रुख करते हैं। निकिता ने बताया कि उन्होंने कॉलेज के दिनों में तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया था, और उस समय उनका म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का कोई पूर्वनियोजित प्लान नहीं था। साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मिले अवसरों ने उन्हें इस करियर में आगे बढ़ाया। निकिता अपने सफर को बहुत अलग और शानदार बताती हैं, क्योंकि उन्होंने कभी गायिका बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, उन्होंने इसे हमेशा प्यार और जुनून के साथ किया और अपने करियर के हर पल का पूरा आनंद लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच के अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि ये दोनों अनुभव बिल्कुल अलग और एक-दूसरे के विपरीत होते हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो एक बहुत ही खास एहसास होता है। वह पल उसी समय का होता है और फिर चला जाता है, जिसमें हर कोई उस अद्वितीय अनुभव को महसूस करता है।

लैला के रोल के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

अपनी आगामी प्राइम वीडियो सीरीज गली में बॉलीवुड अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपने किरदार लैला के लिए गहन तैयारी की है। अभिनेत्री ने अपने इस ट्रांसफॉर्मेशन और लुक डेवलपमेंट की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। इससे पता चलता है कि उन्होंने अपने किरदार को पर्दे पर सटीक रूप से उतारने के लिए कितनी मेहनत की है। हंसिका मोटवानी ने बताया कि लैला का लुक तैयार करना एक चुनौती भरा काम था, जिसे एक बार में अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए और बारीकी से काम किया गया। उन्होंने कहा, लैला के किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना बहुत ज़रूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट और बदलाव करने के बाद ही फाइनल लुक तय किया गया। यह प्रक्रिया दर्शाती है कि रचनात्मकता और परफेक्शन के लिए कितनी बार चीज़ों को आज़माना पड़ता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी ही उसके लुक को तय करने में सबसे अहम थी। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के माध्यम से प्रदर्शित करना आवश्यक था। इसलिए, उसके पहनावे को बहुत सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके और दर्शक उसकी आंतरिक दुनिया से जुड़ सकें। हंसिका का दृढ़ विश्वास है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके संवादों से नहीं, बल्कि उसके पूरे बाहरी रूप से बनती है, जो उसकी कहानी को कहने में मदद करता है। इस पूरी प्रक्रिया में टीमवर्क की अहमियत पर जोर देते हुए हंसिका ने कहा कि उन्होंने और सीरीज के निर्देशक ने मिलकर इस लुक पर काम किया।

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज 'गली' की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की।

आरक्षण बिल महिलाओं के लिए स्वर्णिम युग की शुरुआत : अभिनेत्री कंगना रनौत

बीजेपी की सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और एक मशहूर बॉलीवुड फिल्म का डायलॉग दोहराया। उन्होंने कांग्रेस पर देरी का आरोप लगाते हुए बिल को ऐतिहासिक कदम बताया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सांसद एवं बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने न केवल ऐतिहासिक करार दिया, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर सराहना की। कंगना ने कहा कि यह कानून वास्तव में भारतीय महिलाओं के लिए एक नए और स्वर्णिम युग की शुरुआत है। विधेयक के दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कंगना ने कहा, यह बिल महिलाओं के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और उन्हें राजनीति के साथ-साथ सत्ता के महत्वपूर्ण पदों पर भी पुरुषों के समान भागीदारी सुनिश्चित करेगा। अब महिलाओं को अच्छे और प्रभावशाली पदों पर जगह मिलेगी, जिससे वे देश के विकास में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकेंगी। यह हमारा सौभाग्य है कि हम इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बन रहे हैं और अपनी आंखों से इसे साकार होते देख रहे हैं। विपक्ष की संभावित आलोचनाओं पर कंगना ने अपनी राय स्पष्ट करते हुए कहा कि यह काम प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, विपक्ष ने तो हमेशा इस बिल को रोकने की कोशिश की है और इसे लागू होने से टाला है। इसलिए, यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे इसमें टांग अड़ाने की कोशिश न करेंगे, लेकिन अब यह विधेयक कानून का रूप ले चुका है। वहीं, बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी इस बिल का भरपूर समर्थन किया। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएं ही देश के आम लोगों की वास्तविक समस्याओं, विशेषकर घर-परिवार और समाज से जुड़ी छोटी-बड़ी मुश्किलों को सबसे बेहतर तरीके से समझ सकती हैं और उनके समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

उन्होंने कहा, देश की प्रगति और समग्र विकास के लिए महिलाओं की आवाज़ सुनना बहुत ज़रूरी है। जब भी किसी क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति होती है और उन्हें ज्यादा समर्थन मिलता है, तो मुझे बहुत खुशी होती है। चाहे वह नौकरी का क्षेत्र हो या संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच, जब उनकी आवाज़ सुनी जाती है और उन्हें पर्याप्त मौके दिए जाते हैं, तो यह समाज के लिए बहुत अच्छा संकेत है। 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। महिलाओं का समर्थन करना बेहद ज़रूरी है, और मैं इसका पूरे दिल से समर्थन करती हूं। फेमिना मिस इंडिया हरियाणा की विजेता देबास्मिता ने भी इस विधेयक को महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और संसद को ज्यादा समावेशी बनाने वाला एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे प्राचीन वेदों में भी महिलाओं को समाज का एक अनिवार्य और सम्माननीय अंग माना गया है, और यह विधेयक उसी प्राचीन गरिमा को आधुनिक संदर्भ में पुनर्स्थापित करता है। उन्होंने कहा, सरकार द्वारा लाया गया यह आरक्षण विधेयक एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल महिलाओं की संख्यात्मक भागीदारी को बढ़ाएगा, बल्कि संसद को वैचारिक रूप से भी अधिक समावेशी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएगा।

फतेहाबाद पुलिस की कार्यवाही: पेट्रोल पंप से डीजल डलवाकर बिना पैसे दिए भागने वाले मामले दूसरा आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा धोखाधड़ी और आपराधिक वारदातों में संलिप्त दोषियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक

महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने पेट्रोल पंप पर तेल डलवाकर पैसे दिए बिना फरार होने के मामले में दूसरे सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान राहुल उर्फ भोला पुत्र दीवान सिंह, निवासी नाडौढी (फतेहाबाद) के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला हांसपुर रोड, दौलतपुर स्थित 'बलराज सिहाग प्योर फ्यूल' पेट्रोल पंप के मालिक मनोज कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि 31 मार्च 2026 को सुबह करीब 11:25 बजे एक सफेद रंग की कार पेट्रोल पंप पर आई। कार चालक ने सेल्समैन से गाड़ी की टंकी और साथ रखी ढोली में कुल 5800 रुपये का डीजल डलवाया। जब सेल्समैन ने पैबुहाना में बार काउंसिल चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, अधिवक्ताओं ने लाइन में लगकर किया मतदान वरीयता क्रम के आधार पर डाले गए मत, प्रशासन की निगरानी में हुई पूरी प्रक्रिया

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव बुधवार को बुहाना अभिभाषक संघ कार्यालय में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। बुहाना कोर्ट में कार्यरत अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी निभाई। निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी निर्वाचन अधिकारी एसडीएम पूनम मीणा के नेतृत्व में की गई। इस दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं बार संघ अध्यक्ष कुलदीप कुल्हार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी बजरंग सिंह सहित पुलिस प्रशासन और न्यायालय कर्मियों ने मतदान को सुचारू रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मतदान के दौरान संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। अधिवक्ताओं ने अनुशासन और शालीनता का परिचय देते हुए लाइन में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव प्रणाली के अनुसार प्रत्येक मतदाता अधिवक्ता को लगभग 235 उम्मीदवारों में से 23 प्रत्याशियों के पक्ष में वरीयता क्रम के आधार पर मतदान करने का अधिकार दिया गया। अधिवक्ताओं ने अपनी पसंद के उम्मीदवारों को प्राथमिकता के क्रम में वोट देकर बार काउंसिल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के चयन में भागीदारी निभाई। बुहाना में शांतिपूर्ण मतदान को लेकर अधिवक्ताओं और प्रशासन दोनों की सराहना की जा रही है। यह प्रक्रिया न्यायिक व्यवस्था में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ता का प्रतीक बनी।से मांगे, तो आरोपी चालक गाड़ी भगाकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) और 318(4) के तहत मुकदमा नंबर 123/2026 दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था । अब इस मामले में दुसरा सहआरोपी राहुल उर्फ भोला को गिरफ्तार कर लिया है। मामले मे आरोपी से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

टोहाना के बजरंग मॉडल स्कूल में अर्थ डे पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के आजाद नगर स्थित बजरंग मॉडल स्कूल में विश्व अर्थ डे के अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा हरियाली बढ़ाने के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पृथ्वी को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों को अर्थ डे के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अध्यापकों ने बताया कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है और इसे सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। बच्चों को जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और वनों की कटाई जैसी समस्याओं के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी तथा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विद्यार्थियों ने सुंदर पोस्टर बनाकर 'पेड़ लगाओ-धरती बचाओ', 'जल है तो कल है', 'प्लास्टिक हटाओ-पर्यावरण बचाओ' जैसे प्रेरणादायक संदेश दिए। कई विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि आज से हम पर्यावरण की रक्षा नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। बच्चों ने पौधों की देखभाल करने और अपने घरों के आसपास भी पेड़-पौधे लगाने का वचन दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।विद्यालय निदेशक विनय वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनभर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति से प्रेम करने, पानी की बचत करने और स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय प्रिंसिपल अंजू वर्मा ने कहा कि बच्चों में छोटी उम्र से ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का बोध कराने के लिए भी सदैव तत्पर है।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समस्त स्टाफ सदस्यों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय परिसर में पूरे दिन पर्यावरण संरक्षण के संदेश गूंजते रहे

टोहाना की जाखल पुलिस की बड़ी कामयाबी: गुमशुदगी के मामले में सनसनीखेज खुलासा

नसीब कुमार की हत्या कर नहर में फेंका शव, मृतक की पत्नी सहित आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। थाना जाखल पुलिस ने गांव साधनवास से लापता हुए नसीब कुमार की हत्या के मामले में मृतक की पत्नी सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान श्रवण कुमार पुत्र भोला यादव (निवासी साधनवास, हाल निवासी व्यास कॉलोनी, जाखल) तथा पूजा पत्नी नसीब कुमार (निवासी साधनवास) के रूप में हुई है।डीएसपी टोहाना जयभगवान ने जानकारी

देते हुए बताया कि दिनांक 5 मार्च 2026 को रघुनाथ कुमार निवासी साधनवास ने थाना जाखल में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसका छोटा भाई नसीब कुमार 2 मार्च की सुबह से लापता है। इस पर पुलिस ने तुरंत भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(6) के तहत गुमशुदगी का मामला नंबर 27/2026 दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान गठित पुलिस टीम ने जब मामले की गहनता से पड़ताल की और तकनीकी साक्ष्य जुटाए, तो यह मामला गुमशुदगी का न होकर हत्या का निकला। इसके बाद मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 3(5) तथा 238(ए) जोड़ी गईं। पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतक की पत्नी पूजा तथा श्रवण कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने मिलकर नसीब कुमार की गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया। आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को पत्थरों से बांधकर भाखड़ा नहर में फेंक दिया था।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें माननीय न्यायालय में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा, ताकि हत्या में प्रयुक्त साधनों तथा अन्य महत्वपूर्ण सबूतों की बरामदगी की जा सके। मामले में नियमानुसार कार्रवाई जारी है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर फतेहाबाद एसपी निकिता खट्टर का संदेश: नशे से दूर रहें, साइबर अपराधों से सतर्क बनें

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । गांव चन्दड़ कलां में पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर, आईपीएस ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए नशे के दुष्परिणामों, साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क व जागरूक रहने का आह्वान

किया। उन्होंने युवाओं को अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए अनुशासन, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक टोहाना जयभगवान, सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम सहित स्कूल स्टाफ व ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही: भट्टू कलां में 312 बोर की अवैध 'हॉकी' बंदूक सहित राजस्थान का युवक काबू

थाना भट्टू कलां पुलिस ने गश्त के दौरान नहर पुल के पास से दबोचा आरोपी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/भट्टू कलां।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना भट्टू कलां पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस टीम ने फतेहाबाद रोड पर नहर पुल के पास से एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपू उर्फ दीपक पुत्र दयानंद, निवासी गढ़डा, जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है । थाना भट्टू कलां प्रभारी उप-निरिक्षक राधेश्याम ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में फतेहाबाद रोड, नजदीक नहर पुल के पास गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान कच्चा रास्ते से एक युवक हाथ में सफेद कट्टा लिए आता दिखाई दिया। पुलिस पार्टी को देखते ही वह घबराकर वापस मुड़ गया और तेज कदमों से भागने लगा। शक होने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के हाथ में मौजूद सफेद कट्टे से एक 312 बोर की अवैध छोटी बंदूक (हॉकी टाइप) बरामद हुई।

मामले पर आरोपी दीपू के खिलाफ थाना भट्टू कलां में आर्म्स एक्ट की धारा 25, 54, 59 के तहत मुकदमा नंबर 71/2026 दर्ज कर गिरफ्तार

कर लिया गया । मामले में आरोपी से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी । पुलिस की चेतावनी:पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध हथियार रखने और सप्लाई करने वालों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से भी अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियार की सूचना तुरंत पुलिस को 112 नंबर पर दें।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही: टिब्बा कॉलोनी के पास से 12 किलो 850 ग्राम डोडा पोस्त सहित तस्कर काबू

सीआईए रतिया की टीम ने सुखमनपुर निवासी विकास उर्फ ठाकुर को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.रतिया।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए रतिया को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने रतिया की टिब्बा कॉलोनी के पास छापेमारी कर एक युवक को भारी मात्रा में डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है । आरोपी की पहचान विकास उर्फ ठाकर पुत्र भगवान सिंह, निवासी सुखमनपुर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। सीआईए रतिया टीम प्रभारी उप निरिक्षक प्रदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम लुहारी चौक पर गश्त के दौरान मौजूद थी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी खाली ग्राउंड में पेड़ के नीचे प्लास्टिक कट्टे में डोडा पोस्त लेकर खड़ा है और उसे बेचने की फिराक में है। सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस टीम ने तुरंत ग्राउंड की घेराबंदी करके काबू किया वा नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास मौजुद कट्टे से 12 किलो 850 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना शहर रतिया में एनडीपीएस एक्ट की धारा 15बी, 61, 85 के तहत मुकदमा नंबर 93/2026 दर्ज कर

गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

पुलिस की अपील:

फतेहाबाद पुलिस जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई भी व्यक्ति नशीले पदार्थ बेचने या तस्करी का काम करता है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा।

फतेहाबाद पुलिस की अवैध हथियारों पर स्ट्राइक: ललौदा स्टेडियम के पास 5 जिंदा कारतूस सहित युवक काबू

सीआईए टोहाना की टीम ने नागला निवासी युवक को दबोचा -आरोपी के कब्जे से .9एम एम के कारतूस बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियारों और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए (CIA) टोहाना को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान ललौदा गांव के पास से एक युवक को 5 जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक उर्फ गोल्डी पुत्र श्यामलाल, निवासी गांव नागला, टोहाना के रूप में हुई है। सीआईए टोहाना प्रभारी उप निरिक्षक अशोक ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में सवार होकर गांव बदई खेड़ा से ललौदा की तरफ गश्त पर थी। जब टीम गांव ललौदा के स्टेडियम के पास पहुँची, तो सामने से आ रहा एक युवक पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक घबरा गया और वापस मुड़कर तेज कदमों से भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर उसे कुछ ही दूरी पर काबू कर लिया।नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास .9एम एम के 5 जिंदा कारतूस बरामद हुए। मामले में आरोपी के खिलाफ थाना सदर टोहाना में आर्म्स एक्ट की धारा 25, 54, 59 के तहत मुकदमा नंबर 65/2026 दर्ज कर गिरफ्तार किया गया । आरोपी से

पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। फतेहाबाद पुलिस अवैध हथियार रखने और सप्लाई करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से भी अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियार की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पृथ्वी दिवस पर फैंसी ड्रेस का आयोजन, पृथ्वी बनी छात्रा मन्नत रही प्रथम

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पृथ्वी दिवस के अवसर पर होली हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में प्रकृति थीम पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्र वृक्ष, धरती, बादल, पेड़, पौधा, सूर्य, जल, शेर व वन रानी की वेशभूषा में स्कूल पहुंचे। प्रतियोगिता में नर्सरी से कक्षा तीसरी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने प्रकृति के विभिन्न आयामों के रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कोई छात्र पेड़ बनकर आया, तो कोई धरती का स्वरूप धारण कर आया, वहीं कुछ बच्चों ने जल संरक्षण का महत्व दर्शाया। इस अवसर पर बच्चों ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि पर्यावरण को बचाने का संदेश भी दिया। स्कूल एमडी बलदेव सैनी व प्रिंसिपल पायल मेहता ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में पृथ्वी बनी छात्रा मन्नत प्रथम रही। वृक्ष बन कर आई गुरकीरत द्वितीय व जल की भूमिका प्रस्तुत करने वाला युवान तृतीय स्थान पर रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com